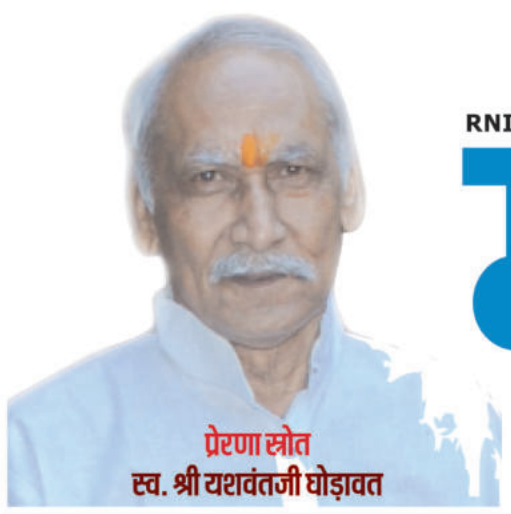


RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

# माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com


**सुविचार**

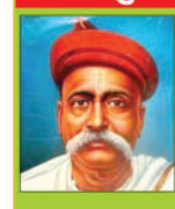

अन्याय और अत्याचार करने वाला, उतना दोषी नहीं माना जा सकता, जितना कि उसे सहन करने वाला।

बाल गंगाधर तिलक


वर्ष-05, अंक - 33 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 18 मई 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए


# इन चार वजहों से केंद्र के निशाने पर हैं पूर्व गवर्नर

## सीबीआई छापों के बाद क्या होगा उनका अगला कदम

**नई दिल्ली एजेंसी।**

जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक से कई बार पूछताछ करने के बाद बुधवार को सीबीआई ने उनके कई सहायकों के ठिकानों पर दबिश दी है। बुधवार को पूर्व राज्यपाल के साथ रहे चार लोगों ने सीबीआई के समक्ष अपने बयान देने की बात कही है। जांच एजेंसी ने दिल्ली के अलावा जम्मू-कश्मीर में भी रेड की है। सीबीआई रेड पर सत्यपाल मलिक के करीबियों का कहना है, ये सब केंद्र सरकार के इशारे पर हो रहा है। चार बातें हैं, जिसके चलते केंद्र सरकार, पूर्व राज्यपाल और उनके सहायकों को परेशान कर रही है।

मलिक के सहयोगी कंवर सिंह राणा ने बताया, हमें कोई डर नहीं है। हम कहीं नहीं भाग रहे। जांच एजेंसी को पूरा सहयोग दे रहे हैं। कंवर सिंह के अलावा, सुनक बाली, वीरेंद्र राणा और विशाल सहित कुछ लोग, जांच एजेंसी को अपने बयान दे रहे हैं। इस लड़ाई में मलिक साहब पीछे नहीं हटेंगे। जिस व्यक्ति ने खुद किसी मामले की शिकायत की हो, वह केंद्रीय जांच एजेंसी से क्यों घबराएगा।

### मलिक ने रोकी थी दो योजनाओं की फाइल

सत्यपाल मलिक ने आरोप लगाया था कि जम्मू-कश्मीर में सरकारी कर्मचारियों के लिए सामूहिक चिकित्सा बीमा योजना का ठेका देने और पनबिजली परियोजना के लिए उन्हें तीन सौ करोड़ रुपये की रिश्वत देने की पेशकश की गई थी। सीबीआई ने सामूहिक चिकित्सा बीमा योजना का ठेका देने और पनबिजली परियोजना से संबंधित 2,200 करोड़ रुपये के सिविल कार्यों से जुड़े मामले में दो एफआईआर दर्ज की थीं। मलिक ने खुद अपने एक साक्षात्कार में उक्त योजनाओं की फाइल रोक देने की बात बताई थी। इतना ही नहीं, मलिक ने दावा किया था कि उक्त योजना को पारित कराने के लिए कथित तौर पर आरएसएस-भाजपा से जुड़े राम माधव ने सिफारिश की थी। मलिक के सहयोगियों का कहना है, सीबीआई छापों से वे पीछे नहीं हटने वाले। केंद्र सरकार द्वारा बदले की भावना से की जा रही कार्रवाई का जवाब देंगे। लोकसभा चुनाव से पहले सत्यपाल मलिक विभिन्न राज्यों का दौरा करेंगे और लोगों के सामने सरकार की पोल खोलेंगे।

## पाकिस्तान से आए हिंदुओं के घरों पर चला बुलडोजर, कलेक्टर आई निशाने पर

जैसलमेर (राज.)।

राजस्थान के जैसलमेर में कलेक्टर टीना डाबी के आदेश के बाद यूआईटी सहायक अभियंता की अगुवाई में पाकिस्तान से आए विस्थापित हिंदुओं के आशियाने पर बुलडोजर चलाया गया है। इसके बाद से ही टीना डाबी की आलोचना हो रही है। उनके आदेश के बाद जैसलमेर में घरों को ढहा दिया गया है। बच्चों समेत 150 से ज्यादा लोग बेघर हो गए हैं। अब वे सब खुले आसमान के नीचे तपती धूप में रहने को मजबूर हैं। इससे पहले भी पाकिस्तान में अत्याचारों और प्रताड़ना से परेशान होकर भारत आए पाक विस्थापित हिंदुओं के आशियाने पर भी कुछ दिन पहले जोधपुर में बुलडोजर चलाया गया था।

बता दें कि, जैसलमेर के नगर विकास न्यास ने अमर सागर पंचायत की जमीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई मंगलवार को शुरू हुई। जैसलमेर के अमर सागर क्षेत्र में रह रहे पाकिस्तान से आए हिंदुओं के मकानों को कलेक्टर टीना डाबी के आदेश के बाद ढहा दिया गया है। प्रशासन का कहना है कि, ये विस्थापित परिवार अमर सागर तालाब के किनारे अवैध मकान बनाकर रह रहे हैं। इस कारण तालाब के पानी की आवक रुक गई। साथ ही यह भूमि काफी कीमती भी बताई जा रही है। इस कार्रवाई में जेसीबी, ट्रैक्टर और पुलिस का बड़ा अमला मौजूद रहा। अतिक्रमण को हटाने के दौरान लोगों ने विरोध भी किया।

गौरतलब है कि, अमर सागर सरपंच ने कलेक्टर और यूआईटी को कई बार शिकायत की थी कि, उनकी जमीन पर लोग आकर अतिक्रमण कर रहे हैं। उनकी बेशकीमती जमीन खराब हो रही है। यूआईटी ने करोड़ों की कीमत वाली भूमि को खाली कराने के लिए जिला प्रशासन से मदद मांगी थी। उसके बाद विस्थापितों को जगह खाली करने के आदेश जारी कर दिए गए थे।

## भारतीय क्षेत्र में घुसा पाकिस्तानी ड्रोन, 15.5 किलो हेरोइन गिराई, फायरिंग के बाद लौटा

**अमृतसर (पंजाब)।**

सीमा सुरक्षा बल को पंजाब में बड़ी सफलता हाथ लगी है। मंगलवार की मध्य रात्रि सीमांत गांव रामकोट के पास खेत से 15.5 किलो हेरोइन बरामद की। रात को पाकिस्तान से ड्रोन भारतीय सीमा में घुसा। उसने हेरोइन के दो पैकेट रामकोट गांव के खेतों में गिराए। ड्रोन की आवाज आते ही बीएसएफ जवानों ने फायरिंग की लेकिन वह पाकिस्तान लौट गया।

रात ही में तीन लोग हेरोइन की खेप उठाने खेतों में पहुंचे लेकिन बीएसएफ जवानों को देख हेरोइन के पैकेट छोड़ भागे। बीएसएफ के प्रवक्ता के अनुसार बीएसएफ जवान मंगलवार रात को अमृतसर के सीमांत गांव रामकोट के बाहर गश्त कर रहे थे। इस बीच रात 12रू43 बजे बीएसएफ जवानों ने पाकिस्तान से ड्रोन आने की आवाज सुनी। जवानों ने ड्रोन पर फायरिंग की। उन्होंने कुछ गिरने की आवाज भी सुनी। जवानों ने तीन लोगों को हेरोइन की खेप उठाकर भागते देखा। जवानों ने जब चेतावनी आवाज दी तो तीनों हेरोइन की पैकेट छोड़कर मौके से भाग निकले। यहां से पांच पैकेट हेरोइन बरामद हुई।

बीएसएफ प्रवक्ता के मुताबिक बीएसएफ जवानों ने कुछ देर बाद ही रात एक बजकर 20 मिनट पर एक बार फिर ड्रोन की आवाज सुनी। रामकोट गांव के खेत में कुछ गिराने की आवाज फिर सुनी। जवानों ने ड्रोन पर निशाना लगाकर फायरिंग की। मगर वह लौट गया। जवानों ने खेत में पहुंचकर वहां से एक और बड़ा पैकेट बरामद किया। इसके अंदर हेरोइन के पांच पैकेट मिले। दोनों स्थानों से कुल 10 पैकेट मिले हैं। इनसे कुल 15.5 किलो हेरोइन मिली।

## बागेश्वर बाबा पर क्यों मचा सियासी बवाल, क्या जातिगत समीकरण पर भारी पड़ रही धर्म की राजनीति?

**बिहार एजेंसी।**

बागेश्वर बाबा के पटना दरबार में प्रतिदिन आठ से दस लाख लोगों के पहुंचने का दावा किया जा रहा है। पंडाल से चारों ओर दूर-दूर तक फैला जनसैलाब किसी भी राजनीतिक दल की नींद खराब करने के लिए पर्याप्त है, जो अपनी सभाओं में भीड़ जुटाने के लिए महीनों कड़ी मेहनत करते हैं और पैसा खर्च करते हैं। इसके बाद भी कोई राजनीतिक दल इस तरह की जनसभा एकत्र करने में असफल ही रहता है। कहा जा रहा है कि बाबा अपनी जनसभाओं में हिंदू एकता और हिंदू राष्ट्र के जिन मुद्दों को उठाते हैं, उससे नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की जातिगत समीकरणों पर टिकी राजनीति को खतरा हो सकता है। पटना दरबार पर राजनीतिक विवाद होने के बीच मुजफ्फरपुर में बाबा का एक और दरबार लगाने की तैयारी भी शुरू हो गई है।

क्या बागेश्वर बाबा की लोकप्रियता इतनी अधिक है कि वे लंबे समय से चली आ रही बिहार की जातिगत समीकरणों की राजनीति को प्रभावित कर सकें...? क्या वे भाजपा को लाभ पहुंचा सकते हैं? बाबा बागेश्वर के दरबार को भाजपा प्रायोजित बताने में कितनी सच्चाई है...?

## अलास्का फ्लाइट में यात्री ने शौचालय में किया धूम्रपान, बेंगलुरु से गिरफ्तार

**बेंगलुरु, एजेंसी।**

अलास्का फ्लाइट में सवार यात्री को फ्लाइट के शौचालय में धूम्रपान करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर उतरने के बाद ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था।

अहमदाबाद से बेंगलुरू जा रही अलास्का एयर की फ्लाइट मे एक यात्री फ्लाउट के शौचालय में धूम्रपान करते पाया गया था। जिसके बाद फ्लाइट के क्रू मेंबर्स ने आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया और यात्री को बेंगलुरु में उतरने पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की मदद से गिरफ्तार करने के बाद स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है। अलास्का एयर के प्रवक्ता ने कहा कि, हम इस मामले की जांच में अधिकारियों की सहायता कर रहे हैं।

## अदाणी ग्रुप के खिलाफ जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने दिया सेबी को 14 अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट देने को कहा

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की ओर से लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड को जांच के लिए तीन महीने का समय दिया है। अदालत ने सेबी को 14 अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट देने को कहा है।

### 11 जुलाई को होगी चर्चा

कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट देखने के बाद 30 सितंबर तक जांच खत्म करने पर आदेश दिया जा सकता है। शेयर बाजार के कामकाज में सुधार पर एक्सपर्ट कमिटी की रिपोर्ट सभी पक्षों को दी जाएगी। 11 जुलाई को इस पर चर्चा होगी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ मामले की सुनवाई कर रही है।

पीठ ने बुधवार को सेबी को जांच स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। पीठ में जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला भी शामिल हैं।

### सुप्रीम कोर्ट ने बनाई थी कमेटी

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने दो मार्च को यूएस शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग द्वारा अदाणी ग्रुप के खिलाफ स्टॉक हेरफेर के आरोपों की जांच के लिए छह सदस्यीय समिति के गठन का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को 11 जुलाई को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है।

## इमरान खान के घर 30-40 आतंकियों के छिपे होने का दावा

**इस्लामाबाद (पाकिस्तान)।**

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ शहबाज सरकार हाथ धोकर पड़ी है। इमरान जहां जल्द से जल्द चुनाव करवाने की मांग कर रहे है तो वहीं पाकिस्तान सरकार उन्हें फिर से गिरफ्तार कर जेल भेजने की फिराक में है। अब पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने इमरान से जुड़ा एक सनसनी खेज दावा किया है, जिससे हड़कंप मच गया है। सरकार का कहना है कि, इमरान के आवास जमान पार्क में 30-40 आतंकी छिपे हुए हैं। 24 घंटे के भीतर उन आतंकियों को सरकार को सौंपने के लिए कहा गया है। इमरान के घर को भी पुलिस ने चारों ओर से घेर लिया है। पंजाब के अंतरिम सूचना मंत्री आमिर मीर ने कहा है कि, जियो-फेंसिंग के जरिए तकनीकी और खुफिया जानकारी भी मिली थी कि, आतंकवादी इमरान खान के जमान पार्क स्थित आवास पर शरण मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि, इन लोगों में वे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस पर हमला किया था। इसलिए पीटीआई नेतृत्व से अनुरोध किया जा रहा है कि, इन आतंकवादियों को सौंप दें। पंजाब की अंतरिम सरकार पीटीआई नेतृत्व को उन आतंकवादियों को सौंपने के लिए 24 घंटे का समय दे रही है, जो सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले में शामिल थे और जमान पार्क में शरण मांग रहे थे।

आमिर मीर ने आगे कहा है कि, 9 मई को लाहौर कोर कमांडर हाउस पर हमला करने वाले आरोपी जमान पार्क में पीटीआई नेतृत्व के संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि, हमले के संचालक उपद्रवियों के संपर्क में थे और उन्हें निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि,सेना के प्रतिष्ठानों पर हमले में शामिल आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य अदालतों में मुकदमा चलाया जाएगा। इन लोगों को मिसाल बनाया जाएगा ताकि भविष्य में कोई ऐसा करने की हिम्मत न करे।

## केंद्र सरकार ने दी मध्यप्रदेश को 3 बड़े प्रोजेक्ट्स मंजूरी, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

**भोपाल।**

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में प्रदेश को एक और उपलब्धि हासिल हुई है, केंद्र सरकार ने बीना के 3 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दे दी है इसके तहत बीना रिफायनरी में एथिलीन क्रेकर प्रोजेक्ट, डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल प्लांट और पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रयासों से मध्य प्रदेश में 3 बड़े प्रोजेक्ट्स स्थापित होंगे। केंद्र सरकार द्वारा मध्य प्रदेश की बीना ऑयल रिफायनरी में एथिलीन क्रैकर प्रोजेक्ट, डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल प्लांट और एक पवन ऊर्जा संयंत्र को मंजूरी दी गई है। देश की 12 महारत्न कंपनियों में एक ऑयल पीएसयू (बीपीसीएल- भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड) की बोर्ड बैठक में 3 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

बताया गया है कि बीपीसीएल द्वारा बीना ऑयल रिफायनरी में लगभग 49 हजार करोड़ रुपये के निवेश से पेट्रो केमिकल उत्पाद एवं क्षमता विस्तारण का कार्य किया जायेगा। बीना में 489 करोड़ रुपये लागत की 50 मेगावॉट क्षमता की पवन ऊर्जा परियोजना स्थापना होगी। नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन से ऊर्जा के परम्परागत स्त्रोतों पर निर्भरता कम होगी। साथ ही एथिलीन क्रेकर परियोजना और डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल प्लांट की स्थापना की जायेगी। बीना में इस निवेश के साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे जिसमें हजारों युवाओं को रोजगार के साथ प्रदेश आत्म-निर्भर की दिशा में अग्रसर होगा।

# सरकार की अनदेखी और अधिकारियों की मनमानी का शिकार अतिथि शिक्षक

## भविष्य की सुरक्षा की आस में कई उच्च शिक्षित संसार छोड़ गए

**माही की गूंज, झाबुआ।**

उच्च शिक्षित अतिथि विद्वानों का ट्रान्सफर या नवीन नियुक्ति से फॉलेन आउट होना एक अभिशाप बन गया है। उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भी अपनी मनमानी में कोई कोर-कसर इनके प्रति नहीं छोड़ी है। वास्तव में कार्यरत अतिथि विद्वान जब ट्रान्सफर अथवा नवीन नियुक्ति से फॉलेन आउट हो जाता है तो जो पद रिक्त हुए उन पर वर्षों से कालखंड व प्रति कार्य दिवस पर सेवा देते आए अतिथि विद्वानों की ही च्वाइस फिलिंग होना चाहिए। परंतु अधिकारियों ने अपने ही बनाए हुए नियमों की कंडिका क्रमांक 2.3 पालन नहीं किया है। उक्त कंडिका में स्पष्ट लिखा है कि, खाली पदों की संख्या ज्यादा और भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने वाले आवेदकों की संख्या कम होगी तो ही नवीन आवेदकों से आवेदन लिए जाएंगे। लेकिन अक्टूबर-नवंबर 2022 से जो अतिथि विद्वान फॉलेन आउट हुए हैं, उनमें कई विषयों में रिक्त पदों की संख्या के बराबर फॉलेन आउट मौजूद थे। फिर भी उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने अपनी मनमानी दिखाते हुए नए आवेदकों से भी आवेदन बुलवाए और इनको यथावत रहने के लिए छोड़ दिया।

वहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव से ये हर सार्वजनिक कार्यक्रमों और उनके निवास पर अनेकों दफा दस्तक दे चुके हैं। फिर भी इनकी अनदेखी बरकरार है।

15 मार्च 2023 के बाद रिक्त पदों पर च्वाइस फिलिंग आरंभ नहीं करवाई गई है। उच्च शिक्षा विभाग के अधिकृत ईमेल पर भी फॉलेन आउट मेल भेजते हैं। लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ है।

मध्य प्रदेश अतिथि विद्वान नियमितीकरण संघर्ष मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी शंकरलाल खरवाडिया ने इस संबंध में बताया है कि, व्यवस्था में आने और भविष्य सुरक्षा की आस में अब तक बहुत से अतिथि विद्वान संसार छोड़ गए हैं। अब अधिकारियों को भी हम पर दया दिखाना चाहिए और केवल फॉलेन आउट के लिए ही च्वाइस फिलिंग आरंभ कर देना चाहिए।

# एक धाम दर्शन के लिए तीर्थयात्री रवाना

**माही की गूंज, काकनवानी।**

महादेव तीर्थ यात्रा, श्री सिद्धिविनायक विष्णु तीर्थ, यात्रा बस द्वारा काकनवानी से तीर्थयात्री रवाना हुए, इस तीर्थ यात्रा में राजस्थान के कुशलगढ़, डूंगरा, सज्जनगढ़ एवं परवलिया, हरीनगर, थांदला के यात्री शामिल है। जो की शाम 6: बजे काकनवानी सीधेश्वर महादेव मंदिर से रवाना हुए। यह यात्रा उत्तर प्रदेश राज्य के वृंदावन, मथुरा, गोकुल, रमणरेती एवं आगरा होते हुए उत्तराखंड राज्य के ऋषिकेश, यमनोत्री, गंगोत्री, सोनप्रयाग, केदारनाथ, बद्रीनाथ होते हुए हरिद्वार पहुंचेगी। वापसी में मध्य प्रदेश के मां नर्मदा स्नान ओकारेश्वर, ममलेश्वर होते हुए ज्योतिर्लिंग दर्शन कर यात्रा की समाप्ति की जावेगी। सभी तीर्थ यात्रियों का पुष्पा हार पहनाकर शुभ यात्रा की बधाई दी।

## राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन

**माही की गूंज, झाबुआ।**

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 16 मई को जिला एवं ब्लॉक स्तर पर ''राष्ट्रीय डेंगू दिवस'' के रूप में मनाया गया। डेंगू दिवस के रूप में मनाये जाने का प्रमुख उद्देश्य डेंगू रोग के बारे में आम जन में सामुदायिक जागरूकता प्रसारित करना, वाहक जनित बीमारियों के प्रसार पर नियंत्रण एंव मच्छर जन्य परिस्थितियों के समाप्तिकरण के उद्देश्य से एवं संक्रमण काल शुरू होने से पहले क्षेत्र में वाहक रोग जैसे डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया नियंत्रण की तैयारी को तीव्र करना हैं।

डेंगू जन-जागरूकता रैली का शुंभारंभ डॉ जेपीएस ठाकुर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी झाबुआ, डॉ एसएसगडरिया, जिला स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी डी.एस.सिसोदिया, जिला व्हीबीडी सलाहकार श्री जितेन्द्र बघेल, सहायक मलेरिया अधिकारी श्रीमती किरण मंडलोई, प्रभारी मलेरिया निरीक्षक श्री धनसिंह चौहान, फील्ड तथा कार्यालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे।

# समूह से जुड़ने के बाद सुनीता ने सशक्त महिला के रूप में मिसाल कायम की

**माही की गूंज, झाबुआ।**

सुनीता की शादी 2007 में रानापुर विकासखंड के ग्राम खडकुई में हुई। संयुक्त परिवार होने के बावजूद भी घर की आर्थिक स्थिति इतनी कमज़ोर थी की परिवार के सभी पुरुषो को मजदूरी करने पलायन पर जाना पड़ता था। कभी-कभी त्योहारों पर साहूकार से ज्यादा ब्याज दर पर ऋण लेना पड़ता था। जिसे चुकाने के बाद सुनीता के पास कोई बचत नहीं होती थी। जैसे-जैसे समय निकल रहा था, परिवार की जरूरते भी बढ़ रही थी, जैसे बच्चो को अच्छी शिक्षा दिलवाना, पक्का घर बनाना। सुनीता इन परिस्थितियों से बाहर निकलना चाहती थी, लेकिन परिवार के लिए चाह कर भी कुछ नहीं कर पाने के कारण वे खुद को बहुत कमजोर एवं असहाय समझती थी।

सन् 2011 में सुनीता म.प्र. - डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी। सुनीता ने बताया कि, हमारे गाँव में आजीविका मिशन द्वारा बैठक का आयोजन किया गया था, जिसमें मैं और मेरे पति शामिल हुए, बैठक में हमें समूह संचालन की विस्तृत रूप से जानकारी मिली, सुनीता ने आस-पास की 10 महिलाओं को जोड़कर ''महारानी तेजकुंवर महिला बचत समूह÷ का गठन किया। समूह से जुड़कर सुनीता ने हस्ताक्षर करना सीखा पहले कभी सुनीता बैंक नहीं गई थी, अब वे स्वयं बैंक जा कर अपने काम कर लेती है, धीरे-धीरे समूह की बैठक में शामिल होने से सुनीता को कई योजनाओं की जानकारी मिलने लगी। समूह की बैठक से ही एक बार उन्हें ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा चलाये जा रहे उद्यमी विकास कार्यक्रम की जानकारी मिली, जिसमे उन्हें 45 दिन की किराना दूकान प्रशिक्षण के बारे में बताया, आजीविका मिशन के माध्यम से सुनीता को झाबुआ रेसीटी भवन भेजा गया। जहाँ उन्हें किराना दुकान व्यवसाय करने पर पूरी समझ बनाई गई। सुनीता को रेसीटी से प्रशिक्षण लेने के प्रमाण पत्र एवं मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 50 हजार का ऋण प्राप्त हुआ जिसमें उन्हें 10 हजार तक की सब्सिडी मिली, ऋण लेकर सुनीता ने अपने गाँव में किराना दूकान खोली, इसी प्रकार रेसीटी के माध्यम से सुनीता के पति ने भी पेंटिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया और अपने विकासखंड के क्षेत्र में ही पेंटिंग का कार्य करने लगे, अब उन्हें पलायन पर नहीं जाना पड़ता, गाँव में रहकर की सुनीता एवं उनके पति की आय 20 हजार से 25 हज़ार तक हो जाती है। सुनीता ने अपने बच्चो को अच्छी शिक्षा दिलवाने के लिए प्राइवेट स्कूल में भरती करवाया है। सुनीता ने समूह से 15000 रू का ऋण लेकर सिलाई भी खरीदी है। किराना दुकान के साथ-साथ वे सिलाई का काम भी करती है। समूह से जुड़ने के बाद सुनीता ने एक आत्मनिर्भर और सशक्त महिला के रूप में मिसाल कायम की है। सुनीता अपने जीवन के इस व्यापक बदलाव के लिए आजीविका मिशन को धन्यवाद देते हुए कहती है, ÷पहले गाँव में मुझे कोई नहीं जानता था, समूह से जुड़ने के पूर्व में एक आम गृहणी की तरह जीवन की परेशानियों से जूझ रही थी विशवास नही था की गाँव में मैं अपनी एक अलग पहचान बना पाउंगी, सिर्फ मैं ही नहीं गाँव की सभी माहिलाये आज समूह के माध्यम से अपनी बात एवं परेशानियाँ एक दुसरे से बाँट कर हल कर पाती है, इस बदलाव के लिए मैं आजीविका मिशन को धन्यवाद देती हुँ।

## राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2022 हेतु परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्राध्यक्ष नियुक्त

**माही की गूंज, झाबुआ।** कलेक्टर जिला झाबुआ के आदेशानुसार राज्य सेवा एवं वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा -2022, 21 मई, 2023 (रविवार) को प्रथम सत्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं द्वितीय सत्र अपरान्ह 2:15 बजे से 4:15 बजे तक दो सत्रों में जिला मुख्यालय झाबुआ में आयोजित की जा रही है। परीक्षा सुचारू एवं निर्विघ्न, सुव्यस्थित एवं शुचिता पूर्ण रूप से सम्पन्न हो इस हेतु परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्राध्यक्ष नियुक्त गये है। जिनमें अशासकीय इन्दौर पब्लिक स्कूल गडवाडा झाबुआ में महेन्द्र खुराना प्राचार्य सी.एम. राइज उमावि रजला, शासकीय पोलिटेक्निक कॉलेज, झाबुआ में गिरीश गुप्ता प्राचार्य शासकीय पोलिटेक्निक कॉलेज, शासकीय कन्या उमावि नेहरू मार्ग में श्रीमती सीमा त्रिवेदी प्राचार्य शासकीय कन्या उमावि झाबुआ, शासकीय बालक हायर सेकेण्डरी स्कूल रातीतलाई में रविन्द्रसिंह सोनी प्राचार्य शासकीय बालक हायर सेकेण्डरी स्कूल रातीतलाई, कैथोलिक मिशन हायर सेकेण्डरी स्कूल (हिन्दी माध्यम) में राकेश सोनी प्रभारी प्राचार्य शा. उमावि ढेकलबडी, न्यू कैथोलिक मिशन स्कूल नगरपालिका के सामने में डॉ. सुनील कुमार सिकरवार, प्राध्यापक रसायन शास्त्र, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ, शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकण्डरी स्कूल, सज्जन रोड झाबुआ में हरीश कुन्डल, प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल, शासकीय मॉडल कॉलेज झाबुआ में डॉ. सुरेशचन्द्र जैन, प्राचार्य मॉडल कॉलेज को केन्द्राध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है।

# ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया पर कार्यशाला का आयोजन

**माही की गूंज, झाबुआ।**

*उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नवीन विद्यार्थियों की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होने वाली है इसी के तहत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में एक दिवसीय प्रवेश पंजीयन प्रक्रिया एवं प्रमोशन प्रक्रिया पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।*

संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ जेसी सिन्हा ने इसी माह प्रारंभ होने वाली उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल द्वारा विद्यार्थियों के लिए आनलाईन प्रवेश प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रवेश संयोजक डॉ रविंद्र सिंह द्वारा आवेदक के पंजीयन फार्म भरना, चॉइस फिलिंग, हेल्प सेंटर के माध्यम से ऑनलाइन, ई-सत्यापन एवं आनलाईन शुल्क भुगतान से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की। प्रवेश नोडल अधिकारी डॉ. राजू बघेल द्वारा एमपी ऑनलाइन संचालकों को पीपीटी के माध्यम से संपूर्ण ई प्रवेश प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया। सत्र 2023-24 में महाविद्यालय प्रवेश के इच्छुक आवेदकों के संबंध में यह जानकारी दी गई।

## प्रभारी मंत्री ने नवीन उचित मूल्य दुकान का उद्घाटन व डिजिटल एक्सरे मशीन का लोकार्पण किया

**माही की गूंज, झाबुआ।**

प्रभारी मंत्री इन्दरसिंह परमार राज्यमंत्री, स्कूल शिक्षा विभाग एवं सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा नवीन उचित मूल्य दुकान करड़ावद बड़ी का उद्घाटन किया गया।

प्रभारी मंत्री श्री परमार के द्वारा अपने हाथों से चंपागुमान एवं तेरा डामोर को क्रमशः 55 व 50 किलो खाद्यान्न दिया। 600 परिवारों को मिलेगा लाभ। उचित मूल्य दुकान करड़ावद बड़ी संचालन का कार्य महिला समूह को दिया गया। प्रगति आजीविका महिला बचत समूह के द्वारा उचित मूल्य दुकान का संचालन किया जाएगा।

इस दौरान कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुनील झा, नायब तहसीलदार जितेंद्र सोलंकी एवं खाद्य विभाग के कनिष्ठ आपूर्ती अधिकारी सुरेश तोमर, सांसद गुमान सिंह डामोर, जिला अध्यक्ष भानु भूरिया, सांसद प्रतिनिधि अजय डामोर एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वही प्रभारी मंत्री श्री परमार द्वारा सिविल अस्पताल थांदला लागत 6.80 लाख रूपये, सिविल अस्पताल पेटलावद लागत 6.80 लाख रूपये एवं सिविल अस्पताल राणापुर लागत 9.49 लाख रूपये के डिजिटल एक्सरे मशीन उपकरण का लोकार्पण किया गया।

इस दौरान कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा, पुलिस अधीक्षक अगम जैन, सीईओ जिला पंचायत अमन वैष्णव, सांसद गुमान सिंह डामोर, विधायक कांतिलाल भूरिया, वालसिंह मेडा, वीरसिंह भूरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनल जसवंत सिंह भाभर एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला योजना समिति की बैठक हुई आयोजित

**माही की गूंज, झाबुआ।**

प्रभारी मंत्री श्रीपरमार की अध्यक्षता में जिला योजना समिति की संशोधित बैठक 17 मई को कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आयोजित की गई।

महिला एवं बाल विकास विभाग अन्तर्गत आंगनवाडी केन्द्र संचालन की स्थिति, आंगनवाडी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के रिक्त भरे पदों की जानकारी, मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अन्तर्गत लक्ष्य एवं उपलब्धि, प्रधानमंत्री मात वंदना योजना अन्तर्गत लक्ष्य पूर्ति 2022-23, लाडली लक्ष्मी योजना अन्तर्गत लक्ष्य एवं पुर्ति, एसएएम और एमएएम की अप्रैल 2022 से मार्च-2023 कुल रिपोर्ट, एन.आर.सी. में भर्ती बच्चों की जानकारी, मिशन वात्यल्स के तहत् समेकित बाल संरक्षण योजना के अन्तर्गत संचालित योजना, कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग झाबुआ अन्तर्गत ग्रीष्म ऋतु में संभावित पेयजल मूलक ग्रामों के लिए प्रस्तावित कार्य योजना, हैण्डपम्प संधारण का प्रगति प्रतिवेदन, वर्ष 2022-23 नवीन नलकूप खनन की लक्ष्य उपलब्धि, जल जीवन मिशन जिसका एक मात्र लक्ष्य वर्ष-2024 तक हर ग्राम के हर घर में क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से निरंतर एवं पर्याप्त मात्रा में उचित गुणवत्ता का पेयजल प्रदाय किया जाना, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्रवार स्वीकृत योजनाओं की जानकारी, प्रगतिरत योजनाओं की प्रतिशत वार जानकारी, प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना इकाई झाबुआ स्वीकृत, पूर्ण, प्रगतिरत कार्यो की जानकारी ब्रिज कार्यो की जानकारी, प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना इकाई झाबुआ संधारण अन्तर्गत योजनाओं, संभागीय परियोजना यंत्री लोक निर्माण विभाग पीआईयू झाबुआ अन्तर्गत सीएम राईज स्कूल भवनों की प्रशासकीय स्वीकृति की जानकारी, लोक निर्माण विभाग संभाग, झाबुआ के अन्तर्गत 10 मई, 2023 की स्थिति में विभिन्न योजनाओं अन्तर्गत सडक कार्य, योजना मद कार्य, प्लान कार्य, मजबूतीकरण मद के कार्य, लोक निर्माण विभाग संभाग, झाबुआ के अन्तर्गत बी.टी. नवीनीकरण कार्यो की सूची की समीक्षा की गई। पूर्ण टीकाकरण, कोविड वेक्सिनेशन, मॉक ड्रील की समीक्षा एवं राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अन्तर्गत ब्लॉकवार मलेरिया ऐपीडेमीयोलाजिकल रिपोर्ट 1 जनवरी, से 31 मार्च, तक, डेंगू जांच एवं सकारात्मक केस की स्थिति वर्ष-2023, चिकनगुनिया जांच एवं सकारात्मक केस की स्थिति वर्ष-2023, परिवार कल्याण कार्यक्रम 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च, आयुष्मान भारत 'निरामयम' आयुष्मान कार्ड योजना, सिकल सेल एनीमिया की समीक्षा की गई।

जिले की आधारभूत जानकारी, खरीफ क्षेत्राच्छादन पूर्ति 2022 एवं प्रस्तावित लक्ष्य 2023, खरीफ मौसम 2023 उर्वरक अग्रिम भण्डारण एवं उर्वरक की स्थिति जिला झाबुआ, रबी वर्ष 2022-23 गेहु एवं चना उपार्जन की प्रगति, कृषक पंजीयन, मध्यप्रदेश, कृषि विकास प्लान, जिले में अपनाए गए प्रमुख फसल चक्र, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, विभाग की सामान्य जानकारी, शैक्षणिक संस्थाओं में शिक्षकों के स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पदों की जानकारी, मध्यप्रदेश शासन स्तर से झाबुआ जिले में माह अप्रैल-2023 में नवनियुक्त शिक्षकों की भर्ती की विकास खण्डवार संख्यात्मक जानकारी- माह मई 2023 अद्यतन स्थिति में, सी.एम. राईज स्कूलों संबंधी जानकारी, वित्तीय वर्ष 2022-23 में विभागीय छात्रावास/आश्रम एवं उमावि संस्थाओं में लघुमूल/मरम्मत कार्य की स्थिति, वन अधिकार अधिनियम अन्तर्गत प्राप्त दावें एवं निराकरण की प्रगति अनुसूचित जनजाति बस्ती विकास योजना अन्तर्गत जिले को प्राप्त आवंटन एवं व्यय का गोषवारा आदि विषयों पर समीक्षा की गई।

प्रभारी मंत्री श्री परमार द्वारा पी.एच.ई. को कहा कि, जिन जनपद क्षेत्रों में पानी की ज्यादा समस्या है, सीईओ जनपद से मिलकर कार्य करे। पानी पिलाना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। जहां पर हैण्डपम्प या बोरिंग सुधारे जाने के लिए जो मैकेनिक भेजे जाते है, यदि वे लोगों से पैसे ले रहे है, तो उन पर कार्यवाही की जाए। पीआईयू को कहा कि, सीएमराईज स्कूल के निर्माणकार्य चल रहे है, उसे गुणवत्तापूर्ण व सही समय पर पूर्ण करे। कृषि विभाग को कहा कि किसान बोउनी के लिए जो बीज बाजार से खरीदते है, बाजार से ना खरीदते हुए स्वयं के अनाज को ही बीज के रूप में उपयोग करे।

इस दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं मांगों के बारे में अवगत कराया गया। प्रभारी मंत्री द्वारा इस संबंध में विभिन्न विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

आयोजन में जिला प्रशासन के समस्त अधिकारीयो के साथ जिले के जनप्रतिनिधी उपस्थित थे।

# प्रभारी मंत्री की मौजूदगी में हुआ सामुहिक विवाह रहा विवादों में

## अपात्र हुई नाराज महिलाओं का आरोप, शादीशुदा को दिया गया लाभ

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

*प्रदेश सरकार की किसी योजना का कार्यान्वित हो और उसमें भ्रस्टाचार की हवा न उठे ये संभव नही। दो माह पूर्व आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना की पूरी तैयारियां कर ली गई थी और ठीक आयोजन के पूर्व कन्या विवाह योजना में दी जाने वाली सामग्री में भ्रष्टाचार को लेकर आयोजन विवादों में पढ़ गया। धार जिले में सप्लायर पर मामला तक दर्ज हो गया।*

मुख्यमंत्री ने इस हेरा-फेरी से बचने के लिये सामग्री की जगह 51 हजार की राशि देने की घोषणा कर डाली। ताबड़तोड़ में पेटलावद विकास खण्ड में होने वाला आयोजन निरस्त कर दिया गया, जो नए व्यवस्था के साथ मंगलवार को आयोजित किया गया। प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री और झाबुआ जिले के प्रभारी इंदर सिंह परमार की मौजूदगी में हुआ, जहां मुख्यमंत्री कन्या विवाह विवादो में घिर गया। सम्मेलन के बाद अपात्र हुई महिलाओं ने कलेक्टर से शिकायत कि की शादीशुदा महिलाओं को पात्र बताकर लाभ दिया गया है। कलेक्टर ने कहा की वे मामले कि जांच करवा लेंगे।

मंगलवार को पेटलावद जनपद की ग्राम पंचायत अन्नतखेड़ी में हुए इस सामूहिक विवाह समारोह को प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए वर-वधु को आशीर्वाद भी दिया। समारोह में 91जोड़ों का विवाह करवाया गया। मंत्री इन्द्ररसिह परमार ने मंच से ही वर-वधु को सरकार की ओर से दी जाने वाली राशि के चेक भी भेंट किए।

### शादीशुदा महिलाओं को लाभ देने का लगाया आरोप

समारोह तब विवादों में आ गया जब समारोह स्थल पर कलेक्टर सुश्री तन्वी हुड्डा से शिकायत की कि वे अविवाहित होते हुए अपात्र हो गई है, जबकि कई महिलाएं शादी शुदा होने के बाद भी इस समारोह में बैठकर लाभ ले रही है। ग्राम पंचायत डाबड़ी की माया मुणिया ने बताया कि, वे पात्र है लेकिन उसे अपात्र कर दिया गया जबकि समारोह में शामिल डाबड़ी की चारो महिलाएं पहले से ही शादी शुदा है।

कुड़वास की टीना भूरिया ने बताया कि, वे भी पहले पात्र की सूची में थी लेकिन बाद में लिस्ट में कांट-छाट कर अपात्र कर दिया गया।

ग्राम मनासिया के संतोष निनामा का कहना है यह योजना केवल दिखावा है, क्योकि आधे शादी-शुदा को इसमे लिया गया है। निनामा का कहना है कि, सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करना चाहिए। वही इस मामले में प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार से चर्चा की तो उन्होंने कहा कि, कोई टेक्निकल कारण रहा होगा अगर कोई पात्र महिला रह गई है तो एक बार फिर से विवाह समारोह रखवा दिया जायेगा।

### पहले 50 जोड़े ही तय हुए थे, इस बार 91 हुए

दो महीने पहले आयोजित होने वाले कन्यादान विवाह योजना के लिए विकास खण्ड की पंचायतो से 250 आवेदन आये थे। जिनकी जाँच की गई तो लगभग 200 शादीशुदा जोड़ो के आवेदन पाये गए, बमुश्किल 50 जोड़े बचे, प्रशासन ने पारदर्षिता रखते हुए सभी आवेदकों की सूची के साथ पात्र-अपात्र लिखकर चस्पा की थी, लेकिन इसके विपरीत इस बार प्रशासन की और से ऐसा कोई पहल नही की गई और अचानक जोड़े 50 से बढ़कर 91 हो गए। कई महिलाओं को अपात्र किया गया जो विवाद का कारण बना और प्रशासन के शादीशुदा जोड़ो को विवाह समारोह में शामिल करने की पोल मंत्री के सामने खोलकर प्रशासन के लिए परेशानी खड़ी कर दी।

## न डॉक्टर, न ही नर्स, राम भरोसे हॉस्पिटल

माही की गूंज, काकनवानी।

विगत 5 दिनों से शासकीय स्वास्थ्य केंद्र बिना डॉक्टर और नर्स के विरान पड़ा है। पूरा हॉस्पिटल मात्र एक नर्स के भरोसे चल रहा है, बाकी पुरा स्टॉप जो कि रेगुलर है वह अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए, तो वही एमबीबीएस डॉक्टर बबेरिया अवकाश पर है। एक नर्स है जोकि कुछ समय दिन में ही डिलीवरी केस देखती है बाकी समय हॉस्पिटल बंद रहता है। रात में भी कोई इमरजेंसी केस आता है तो उसे थांदला या दाहोद की ओर भागना पड़ता है।

इस पलवाड़ क्षेत्र में आस-पास कोई भी बड़ा हॉस्पिटल नहीं है, जहां इलाज करवाया जा सके। ऐसे में काकनवानी स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर एवं नर्स का नहीं रहना भी किसी की जान के साथ खिलवाड़ करना ही हैं। वैसे तो काकनवानी में सैकड़ों निजी क्लीनिक खुले हैं, लेकिन रात के समय सारे क्लीनिक बंद हो जाते हैं ऐसे में कोई एक्सीडेंटल या कोई इमरजेंसी केस आता है तो उसे बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और सुविधा उपलब्ध नहीं होने पर उस मरीज की जान भी जा सकती है।

## सवारी वाहन पर लगे केरियर निकाल पुलिस ने किए जप्त

माही की गूंज, थांदला।

एसपी अगम जैन के निर्देशानुसार थांदला पुलिस ने चार पहिया वाहनों के ऊपर लगे कैरियर को हटाने की मुहिम चलाई, जिसमें 18 से 20 वाहनों के कैरियर गाड़ियों से निकालकर जप्त किए, थादला ट्रैफिक प्रभारी एसआई कमल मिदल ने बताया कि, खरगोन बस दुर्घटना के बाद एसपी के निर्देशानुसार थांदला में गाड़ियों पर लगे हुए केरीयर को निकालकर उन्हें जप्त किया और साथ ही गाड़ी मालिक और वाहन चालकों को समझाइश दी गई की केरीयर का उपयोग सामान रखने के लिए किया जाता है, लेकिन आदिवासी बहुल क्षेत्र में गाड़ी मालिक और वाहन चालकों ने उसका उपयोग सवारी बैठाकर ले जाने के लिए करते हैं इसीलिए सभी गाड़ियों के केरीयर जप्त किए हैं, क्योंकि सवारी बैठाकर ले जाने में गाड़ियों का संतुलन बिगड़ता है और दुर्घटना होती है।

## राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः प्रचार-प्रसार हेतु हुई कार्यशाला आयोजित

माही की गूंज, थांदला।

शकुंतला महाविद्यालय में मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन एवं प्रचार-प्रसार संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रशिक्षित प्रभारी डॉक्टर राकेश बघेल ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को विभिन्न बिदुओं से अवगत करवाया। इनमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के महत्वपूर्ण बिंदु एवं नवाचार, अकादमिक संरचना, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट कार्ड, वर्षवार प्रश्न पत्रों की संख्या, योग्यता, संवर्धन, डिस्टेंस लर्निंग एजुकेशन आदि की जानकारी शामिल थी।

प्रोफेसर राकेश बघेल ने बताया कि, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट एक वर्चुअल स्टोर हाउस है। जो हर स्टूडेंट की डाटा का रिकॉर्ड रखता है। प्रत्यक्ष परिवेश में प्रत्येक यूनिवर्सिटी को अपने से संबंधित सभी महाविद्यालय को रजिस्टर कराना अनिवार्य होगा। इस अवसर पर शकुंतला महाविद्यालय के चेयरमेन राहुल मुथा ने बताया कि, नई शिक्षा नीति 2020 एक क्रांतिकारी कदम है। जिसका फायदा सभी वर्ग के छात्रों को मिलेगा।

इस अवसर पर नोडल अधिकारी भव्या सोनी, प्रोफेसर दीपक धाकड़, अजीत खड़िया, पूजा हीहोर, प्रिया झाला रोहन खड़िया, प्रेम मालवीय आदि उपस्थित थे।

## शासकीय महाविद्यालय में सासंद प्रतिनिधि का स्वागत समारोह

माही की गूंज, थांदला।

स्थानीय शासकीय महाविद्यालय थांदला में 3 मई को सासंद गुमानसिंह डामोर द्वारा महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के लिए सासंद प्रतिनिधि के रूप में महेश नागर तथा नगर परिषद के सांसद प्रतिनिधि के रूप में शांतिलाल सोलंकी को नियुक्त किया। इसी संबंध में महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष अमित शाहजी के मुख्य आतिथ्य में महेश् नागर सांसद प्रतिनिधि शासकीय महाविद्यालय थांदला एवं शांतिलाल सोलंकी सासंद प्रतिनिधि नगर परिषद थांदला का स्वागत किया गया। जिसमें भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीपसिंह कटारा, बंटी डामोर, जनभागीदारी समिति के सदस्य राजेश वसुनिया, पार्षद राजु धानक, बीएल गुप्ता, मुकेश बामनिया, अरविंद रूणवाल कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्रभारी प्राचार्य डॉ. पीटर डोडियार ने की।

दिलीपसिंह कटारा ने संबोधित करते हुए कहा कि, इस महाविद्यालय में प्रतिवर्ष हमारे ग्रामीण क्षेत्र से विद्यार्थी की संख्या पढ़ने के लिए आते है और महाविद्यालय भौतिक सुविधाओं को बढाने में हमारे प्रतिनिधि कोई कसर नही छोड़गें। स्वागत के पश्चात् जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अमित शाहजी एवं सदस्यों ने महाविद्यालय की वस्तु स्थिति का निरीक्षण किया तथा ऑनलाइन प्रवेश वर्ष 2023-24 के लिए 4 वेरीफिकेशन टेबल कम्प्यूटर सहित बनाई जाए तथा समय पर परीक्षा के साथ प्रवेश कार्य भी समय पर हो सके इसके उपाय बताते हुए व्यवस्था की जाने के निर्देश दिये। कार्यक्रम में प्रो. मनोहर सोलंकी, प्रो. विजय मावी, प्रो. हिमांशु मालवीया, प्रो. दिपीका जोशी, प्रो. रितु राठौर, प्रो. कंचना बारस्कर, विजय मावडा, दिनेश मोरिया, अजय मोरी, रमेश डामोर, विक्रम डामोर सहित बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। स्वागत कार्यक्रम का संचालन प्रो. एस.एस. मुवेल ने किया तथा आभार डॉ. मीना मावी ने माना।

## कृषि ऋण ब्याज माफी के पत्र किए वितरित

माही की गूंज, करवड़।

सहकारी समिति मर्यादित शाखा ने ब्याज माफी की प्रक्रिया आरंभ कर दी। प्रदेश में किसानों के हित में मुख्यमंत्री ने पात्र ऋणी के ब्याज माफी की घोषणा की। सहकारी समिति मर्यादित शाखा करवड़ में 129 पात्र किसानों को ब्याज ऋण माफी योजना का लाभ मिला। इसमें रविवार को 11 किसानों को ऋण माफी योजना में घोषणा पत्र वितरित किए, शासन द्वारा इनका ब्याज माफ करने के बाद यह किसान मूलधन जमा कर सुविधा प्राप्त कर पाएंगे। इस अवसर पर कृषि साख सहकारी समिति के प्रबंधक रमेश सोलंकी, ग्राम पंचायत सरपंच विकास बाबूलाल गामड़, उपसरपंच राजेश पाटीदार ,भंवर सिंह गहलोत, पूर्व पंच कालू सिंह सोलंकी, चेतन पाटीदार, विकास पाटीदार एवं सुखराम के साथ आसपास क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।

## ट्रेक्टर की दोनों हेड लाइट तोड़ी

माही की गूंज, बनी।

असामाजिक तत्व हर जगह होते हे और वो अपनी आदतों से बाज नहीं आते है। या ये कहे की वो जब तक किसी का नुकसान नहीं कर देते तब तक उन के मन को शांति नहीं मिलती। ऐसा ही कारनामा गांव बनी में असामाजिक तत्वों द्वारा किया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार कृष्णा पाटीदार का ट्रेक्टर क्रमांक एमपी 43 एबी 7867 रात्रि में घर के बाहर खड़ा था, जिसके मेन हेड लाइट के दोनो कांच तोड़ दिए गए। जिस की सभी लोगो ने निंदा की।

# कथा के चौथे दिन धूमधाम से मनाया गया भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव

माही की गूंज, बनी।

सरस्वती शिशु मंदिर निर्माणार्थ सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन के दौरान आचार्य श्री ने अपने मुखाग्र बिंद से कहा, जब-जब भी धरती पर आसुरी शक्ति हावी हुईं, परमात्मा ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की। मथुरा में राजा कंस के अत्याचारों से व्यथित होकर धरती की करुण पुकार सुनकर नारायण ने कृष्ण रुप में देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में जन्म लिया और धर्म और प्रजा की रक्षा कर कंस का अंत किया। यह उद्गार बनी में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग सुनाते हुए आचार्य डॉ. देवेन्द्र जी शास्त्री ने कही। भागवत के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए चौथे दिवस आचार्य श्री ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा का वर्णन किया। इसके पूर्व आचार्य श्री ने कहा कि, जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य मिलना बड़ा दुर्लभ है। जब भी हमें यह सुअवसर मिले, इसका सदुपयोग करना चाहिए। कथा सुनते हुए उसी के अनुसार कार्य करें। कथा का सुनना तभी सार्थक होगा। जब उसके बताए हुए मार्ग पर चलकर परमार्थ का काम करें।

### आचार्यश्री ने दिया स्वच्छता का संदेश

दुनियाविचारों से बनती है। जैसे विचार वाले लोग होंगे, वैसा ही समाज और राष्ट्र का निर्माण होगा। इंसान विचारों का पुतला है। घर बनाने, मोटर खरीदने का मन में पहले विचार आता है और उसके बाद उक्त सोच को धरातल पर उतारने की कोशिश शुरू होती है। विचार से सृष्टि का निर्माण होता है। हमें ऐसे संसार का निर्माण करना है, जहां लोग संयम से रहे। गंदगी, बीमारी का नामोनिशान हो। हर कोई स्वच्छ और निरोग रहें। विचार शुद्ध होंगे तभी स्वास्थ्य समाज का निर्माण संभव है। विचारों को शुद्ध करने का काम इस ज्ञान यज्ञ में होता है। भागवत कथा का मुख्य उद्देश्य अच्छे विचार का निर्माण करना है। जिंदगी की सांसें बहुत कीमती है।

जितनी सांसें हम छोड़ चुके है, उसे वापस नहीं ला सकते। हम अपने विचार, आचरण, भाव और चरित्र के शुद्धिकरण में लगना सांसों के लिए सार्थक होगा।

### मंदिर को दुकान नहीं बनाएं

आचार्य श्री ने कहा कि जो भी करें पूरे भाव और आनंद से करें। कथा का श्रवण करने आए हैं तो ध्यान और मन कथा में ही लगाए। जीवन में आनंद का होना जरूरी है। नीरस है तो आपके जीवन में कोई आनंद नहीं है। आप से मिलने वाले को भी आनंद की अनुभूति नहीं होने वाली है। भागवत में कहा गया है कि हर काम को पूरे आनंद से करें। काम कोई भी होजी उसमें आनंद का होना जरूरी है। हर काम को यज्ञ मान कर करें, तभी उसमें आनंद का अनुभव होगा। दुकान चलाते हैं तो उसी में आनंद की तलाश करें। ग्राहक को भगवान मान कर उसकी पूजा करें। दुकान को मंदिर नहीं बना लें। इसी तरह अगर परमात्मा की शरण में जाते हैं तो उसी में रम जाए। मंदिर को दुकान बनने दे। मंदिर को दुकान बना दिया तो वहां जाने का आनंद समाप्त हो जाएगा।

### सफाई करना मां भारती की सेवा

गंदगीदेश के लिए एक कलंक है। इसे दूर करना है। भारत को स्वच्छ रखना मां भारती की सेवा है। स्वच्छ भारत मिशन एक जागृति है। पांच साल तक अभियान चला, तो हमें साफ रहने की आदत बन जाएगी। देश स्वच्छ रहेगा, तो समाज स्वच्छ होगा और हम निरोग रहेंगे। यज्ञ मानकर अगर इस काम को करें, तो कलंक मिट सकता है।

कथा के दौरान आचार्यश्री ने हरे रामा, हरे कृष्णा और राधे-राधे की गूंज से पूरे पंडाल को गोकुल धाम में तब्दील कर दिया। भजनों ने ऐसी समा बांधी की भक्त झूमने को विवश हो गए। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु घंटों भक्ति के रंग में सराबोर रहे। कथा शुभारम्भ से पूर्व व्यास पीठकी आरती पूजन ओमप्रकाश पाटीदार,रामचंद्र पाटीदार आदि ने किया।

## संपादकीय

# भारतीय लोकतंत्र में खूबसूरती का संदेश

नि:संदेह, यह भारतीय लोकतंत्र के परिवक्व होने का संदेश है कि, एक ही दिन में उसने अलग-अलग राज्यों में अलग तरह का जनादेश देकर साबित किया कि सत्ताधीश उसे अपनी बपौती मानकर न चलें। जहां कर्नाटक में कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल करके भाजपा के दक्षिण के द्वार पर अवरोधक लगा दिया है। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में निकाय चुनावों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ है। उ.प्र. में मुख्यमंत्री योगी की साधना सफल हुई है और पार्टी की अप्रत्याशित जीत से भाजपा में उनका कद बढ़ा है। दूसरी ओर पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट के उप चुनाव में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस की परंपरागत सीट पर कब्जा करके भविष्य की राजनीति में बदलावकारी घटक के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की है। नि:संदेह, राज्य की सत्ता में रहने का लाभ आप को मिला है। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत व भाजपा की हार के सौ कारण बताये जा सकते हैं। लेकिन इतना तय है कर्नाटक की जनता ने राज्य में भाजपा के शासन को नकारा है। भले ही कांग्रेस करिश्माई नेतृत्व की कमी से जूझ रही हो, लेकिन इस बात का श्रेय इस दल को दिया जाना चाहिए कि वह भारत की विविधता की संस्कृति को स्वीकारती है। यह भी सर्वविदित है कि कर्नाटक कांग्रेस का हमेशा से गढ़ रहा है। एक निश्चित प्रतिशत जनादेश उसके हिस्से में हमेशा रहा है। वैसे तो भाजपा का जनादेश पिछले चुनाव के जनादेश के प्रतिशत के ही अनुरूप है, लेकिन जो निर्णायक वोट प्रतिशत है उसे हासिल करने में कांग्रेस सफल रही है। जो जेडीएस के हिस्से का वोट था। अच्छी बात यह है कि, कर्नाटक की जनता ने ध्रुवीकरण की राजनीति को नकारा है। यह बात अलग है कि राज्य में मुस्लिम आरक्षण को खत्म करने से तिलमिलाए मुस्लिम मतदाताओं ने एकजुटता से वोट देकर कांग्रेसी जीत की राह को सुनिश्चित किया है। बहरहाल बजरंग दल पर प्रतिबंध समेत अन्य मुद्दों को लेकर भाजपा ने बहुसंख्यकों के ध्रुवीकरण की जो कोशिश की थी, वो सिरे नहीं चढ़ पायी। यह कहना मुश्किल है कि कांग्रेस ने भी चुनाव में पूरी तरह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का पालन किया। अगर भाजपा ने मुस्लिम आरक्षण खत्म करने को वोट पाने का मुद्दा बनाया तो कांग्रेस ने भी उसकी बहाली को चुनावी मुद्दा बनाया। फिर भाजपा की तर्ज पर भी कांग्रेसी नेता धार्मिक स्थलों पर खूब शीष नवाते नजर आए हैं।

बहरहाल, कर्नाटक के इन चुनाव परिणामों ने भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में जहां कई तरह के निष्कर्ष दिये हैं, वहीं कई सवालों को भी जन्म दिया है। निश्चित रूप से इन चुनाव परिणामों को लेकर राहुल गांधी की राजनीतिक नेतृत्व की सर्वमान्य स्वीकार्यता को लेकर भी चर्चा होगी। यह भी कहा जायेगा कि राहुल गांधी की पदयात्रा इस जीत की ऊर्जा बनी है। हमें यह नहीं भूलना होगा कि कर्नाटक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का गृह राज्य है। खड़गे के राज्य से होने का लाभ मिला और स्थानीय भाषा में वे मतदाताओं को पार्टी की बात समझाने में कामयाब हुए। फिर वे उस वंचित वर्ग से आते हैं, जिसको भाजपा ने प्राथमिकता नहीं बनाया। भाजपा सिर्फ दो बड़े जातीय समूहों को आकर्षित करने को प्राथमिकता देती रही है, जो राज्य की राजनीति में वर्चस्व रखते हैं। वैसे राज्य में कांग्रेस की वापसी के लिये प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के अथक प्रयासों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे लंबे समय से पदयात्रा और जमीनी कार्यक्रमों के जरिये ग्रासरूट पर काम करते रहे। उनकी मुख्यमंत्री पद के लिये दावेदारी का आधार तार्किक कहा जा सकता है। राज्य में कांग्रेस सरकार के नेतृत्व तय करने में हुआ कुछ विलंब इन्हीं महत्वाकांक्षाओं के टकराव की देन है। बहरहाल, राज्य में कांग्रेस के लिये चुनौतियां भी कम नहीं हैं। पर ऐसे वक्त में जब देश के चार राज्यों में इस साल चुनाव होने हैं और आम चुनाव करीब हैं, कांग्रेस के लिए यह जीत प्राणवायु का काम कर सकती है। हिमाचल के बाद कर्नाटक की जीत को लेकर कांग्रेस राष्ट्रीय राजनीति के लिये नये विमर्श गढ़ सकती है। एक मायने में यह हार भाजपा के लिए भी वरदान हो सकती है, उसे संभलकर नए सिरे से अपनी रीति-नीतियों के निर्धारण का सबक जो मिला है।

# आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के बूते चुनावी चक्रव्यूह!

इस साल चार विधानसभाओं के चुनाव और 2024 में लोकसभा के साथ-साथ बाकी तीन राज्यों में चुनाव क्या उन्हीं परंपरागत पैटर्न पर लड़े जाएंगे, जिनकी रणनीति भारत की सर्वे कंपनियों की सूचनाओं के आधार पर तय होती रही है? इसका जवाब है- यह बदलेगा। दरअसल, सत्तापक्ष अगले चुनावों में अपना हाल कर्नाटक की तरह करना नहीं चाहता। इसलिए, दुनिया के उन देशों से संपर्क साधने की कोशिश हो रही है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के माध्यम से मतदाताओं के मिज़ाज को जानने में सटीक सफलता मिली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले माह 22 जून को वाशिंगटन व्हाइट हाउस में डिनर पर आमंत्रित हैं। समझा जाता है कि उनकी इस यात्रा के दौरान कुछ अमेरिकी और इस्राइली हाईटेक कंपनियां, जो आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के ज़रिये सर्वे कराकर चुनावी रणनीतिकारों को जानकारी बेचती हैं, वे टीम मोदी से संपर्क साधें। आधिकारिक रूप से सत्ता के गलियारों में बैठे चंद लोग इस सवाल पर खामोशी साधे हुए हैं, मगर इतना ज़रूर इशारा हुआ कि अगले चुनाव में रणनीति के स्तर पर भारी बदलाव सोच लिया गया है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक माध्यम भी शामिल हैं।

अमेरिका में आम चुनाव नवंबर 2024 में है। उससे बहुत पहले भारत में लोकसभा चुनाव हो जाना है। अमेरिकी मतदाताओं के मिज़ाज को भांपने में पिछले चुनावों में जिस तरह आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल हुआ, उसे 98 से 100 फीसदी सटीक माना गया था। राष्ट्रपति जो बाइडेन इस बात से भी चिंतित हैं कि प्रतिपक्ष कहीं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कंपनियों का दुरुपयोग न करे। गत 3 मई को राष्ट्रपति जो बाइडेन ने दुनिया की दिग्गज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस कंपनियों के टॉप सीईओ के साथ बैठक की थी, और यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि नागरिकों के निजी डाटा का दुरुपयोग नहीं किया जाएगा।

राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ इस बैठक में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला व ओपेन एआई के सीईओ सैम अल्टमन उपस्थित थे। इनसे यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस वाले जो प्रोडक्ट बाज़ार में उतार रहे हैं, वह सुरक्षित होंगे, लोगों की निजता और सिविल राइट्स का हनन नहीं करेंगे। इस बैठक के हवाले से उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी बयान दिया था कि प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों की नैतिक और क़ानून सम्मत जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने प्रोडक्ट का दुरुपयोग किसी भी हालत में होने न दें।

अमेरिका में साल 2008 और 2012 के चुनावों को फेसबुक अकाउंट्स के ज़रिये लड़ा गया था। उन दिनों किसी मुद्दे पर फेसबुक यूजर्स की प्रतिक्रियाओं के आधार पर चुनावी सर्वे कंपनियां अपने क्लाइंट्स को डाटा उपलब्ध करा देती थीं। मगर, पिछले दो चुनावों से अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की बड़ी भूमिका दिखने लगी है। अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी 'एक्सपर्ट डॉट एआई' ने 2020 के चुनाव में धमाल मचा दिया था, जिसके डाटा सटीक उतरे थे। साल 2020 चुनाव से पहले 'एक्सपर्ट डॉट एआई' ने सोशल मीडिया की तमाम पोस्ट को खंगालने में एआई सॉफ्टवेयर की मदद ली थी। जो बाइडेन जीत रहे हैं, उसकी थाह सोशल मीडिया में चल रही हलचलों से पता चल चुकी था।

लेकिन चार वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीक ने उन तिजोरियों की थाह भी लेनी शुरू की है, जिनसे चुनावों में आर्थिक मदद मिलने की संभावना है। जो बाइडेन की चिंता इस बात की है कि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी इसी तकनीक के सहारे चुनावी चंदे को बड़े स्तर पर जुटाने में डेमोक्रेट्स से आगे न निकल जाएं। सॉफ्टवेयर कंपनियों के सीईओ की बैठक के पीछे राष्ट्रपति जो बाइडेन की यही मंशा थी कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के ज़रिये वे डाटा उनके विरोधियों को नहीं हासिल हो जाएं, जिससे चुनावी बाज़ी एकदम से पलट जाये।

अप्रैल 2023 में बोस्टन स्थित इमर्सन कॉलेज ने सर्वे में एक जानकारी दी कि 43 फीसद अमेरिकन जो बाइडेन को पसंद करते हैं व 41 प्रतिशत ट्रंप को। 10 फीसदी किसी और चेहरे की उम्मीद कर रहे हैं। बचे छह प्रतिशत लोग यह तय नहीं कर पा रहे कि 2024 के चुनाव में उन्हें क्या करना चाहिए। इमर्सन कॉलेज सर्वे, 'अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक रिसर्च' की अनुषंगी इकाई है। पिछले चुनाव में इसकी भविष्यवाणी 93 प्रतिशत सही उतरी थी।

लेकिन, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सटीक जानकारी के साथ-साथ सूचनाओं को गुमराह भी कर सकता है, इसकी आशंका इस्राइली एक्सपर्ट व्यक्त करते हैं। हिब्रू भाषा के अखबार 'इज़राइल हेयोम' ने 14 मई, 2023 की एक रिपोर्ट में जानकारी दी है कि आम लोगों को गुमराह करने के वास्ते आवाज़ समेत व्यक्ति विशेष का क्लोन एआई के ज़रिये तैयार कर चुनावी दुष्प्रचार का ब्रह्मास्त्र बना लिया गया है। आप पुष्टि करते रहिये कि बयान फेक है, या सही, तब तक लाखों-करोड़ों लोग इसके दुष्प्रभाव की चपेट में आ चुके होते है। दरअसल, एआई आने वाले चुनावों का साइबर शैतान है, जिसकी मायावी चालों का शिकार आम मतदाता हो सकता है। तो क्या भारत में जो आगामी चुनाव होंगे, उसमें एआई जैसे मायावी दानव का इस्तेमाल होगा?

अब तो मानकर चलिये कि भारतीय चुनावों में सौ-हज़ार लोगों के सैंपल साइज वाले सर्वे और एक्ज़िट पोल के दिन लदने वाले हैं। एक्ज़िट पोल की शुरुआत 1967 में हुई थी। मार्शल वान डैम, नीदरलैंड में डच लेबर पार्टी के नेता थे, और साल 1981 से 82 तक विभिन्न विभागों के मंत्री रह चुके थे। राजनीति में सक्रिय होने से पहले मार्शल वान डैम का टीवी प्रेजेंटर के रूप में अच्छा रसूख था। साल 1967 के आम चुनाव में एक्ज़िट पोल का सबसे पहला प्रयोग मार्शल वान डैम ने किया था। उसी साल नवंबर में अमेरिका के केंटुकी में चुनाव हुआ, वारेन मिटोफ्स्की उस दौर के पोल स्टार थे, जिन्होंने सीबीएस न्यूज़ पर इस विधा का इस्तेमाल किया। यूरोप-अमेरिका में चार दशक पहले हुए प्रयोग ने आज ऐसे कनखजूरे का रूप धारण कर लिया है, जिसकी सहस्र टांगें होती हैं। ओपिनियन पोल के दुरुपयोग को देखते हुए यूरोपीय संघ के 16 देशों में अस पर नकेल कसी गई। इटली, स्लोवाकिया, लक्जमबर्ग ने चुनावी सर्वे पर सात दिन पहले से रोक लगा रखी है। फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी में मतदान से पहले किसी ने एक्जिट पोल दिखाने की जुर्रत की, तो उस पर आपराधिक केस चलाये जाते हैं।

पुष्परंजन

यूरोपीय संसद में एआई के सुरक्षित इस्तेमाल पर गत 11 मई को एक क़ानून बना है। यूरोपीय देश इस क़ानून के बाद कैसे एआई का चुनावी इस्तेमाल करते हैं, इसे देखने के लिए थोड़े दिन इंतज़ार करना होगा। भारत में साढ़े छह अरब डॉलर की आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मार्केट है। जिस दिन चुनाव के वास्ते इसका इस्तेमाल होने लगेगा, समझिये इसे डबल नहीं, ट्रिपल बूस्टर डोज मिल जाएगा।

# कर्नाटक चुनाव में नहीं चला, हिंदुत्व का फॉर्मूला

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं। पिछले 8 वर्षों से कर्नाटक में हिंदुत्व की विचारधारा और हिंदुओं को एकजुट करने के लिए, कर्नाटक में टीपू सुल्तान और हिन्दुत्व को लेकर सुनियोजित रूप से, पिछले 8 वर्षों से अभियान चलाया जा रहा था। जिसमें टीपू सुल्तान ने आठ सौ से ज्यादा हिंदुओं की हत्या की है। टीपू सुल्तान दुर्दांत हत्यारा था। श्रीरंगपट्टनम में हनुमान मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई है। कर्नाटक में हिजाब और अन्य तरीके से मुस्लिमों के खिलाफ एक वातावरण बनाया गया। हिंदुओं को एकजुट करने के लिए बड़े पैमाने पर पिछले 8 वर्षों में प्रयास किए गए। जामा मस्जिद में पुराना हनुमान मंदिर मानकर, वहां पूजा पाठ भी शुरू कर दी गई थी। जिसके कारण कर्नाटक में धार्मिक आधार पर बड़ा ध्रुवीकरण करने की तैयारी की गई थी।

सनत कुमार जैन

कर्नाटक विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए। धार्मिक ध्रुवीकरण को कर्नाटक के मतदाताओं ने पसंद नहीं किया। जिन-जिन क्षेत्रों में विवाद पैदा किया गया था। वहां पर भाजपा के उम्मीदवार इस चुनाव में बुरी तरह से हारे। मलयकोट में भाजपा उम्मीदवार की जमानत जप्त हो गई। अन्य स्थानों पर भी मतदाताओं ने भाजपा के उम्मीदवारों को हराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। कर्नाटक के मतदाता सामाजिक सद्भाव को लेकर ज्यादा सजग थे। चुनाव परिणाम से स्पष्ट हो गया है, कि कर्नाटक सहित दक्षिण के राज्यों में हिंदुत्व का मुद्दा, चुनाव जिताने का कारण नहीं बन सकता है। जैसा कि उत्तर भारत के राज्यों में बना था।

टीपू सुल्तान द्वारा मलयकोट में 800 से ज्यादा हिंदुओं के नरसंहार को लेकर पिछले 8 वर्षों में धार्मिक ध्रुव्रीकरण कयो लेकर जबरदस्त माहौल बनाया गया था। यहां से दर्शन पुतेनैया कांग्रेस के उम्मीदवार थे। इन्हें यहां से 49.97 फ़ीसदी, 91151 वोट मिले। वहीं इसी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के इंद्रेश कुमार को मात्र 3 फ़ीसदी, 6470 वोट मिले। इनकी जमानत जप्त हो गई। इसी तरह श्रीरंगपट्टनम में जामा मस्जिद का मामला पिछले 8 वर्षों से तूल पकड़ रहा था। इस जामा मस्जिद की देखरेख पुरातत्व विभाग कर रहा है। यहां पर कहा गया कि हनुमान मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई थी। हिंदू संगठनों द्वारा यहां पूजा पाठ भी शुरू कर दी गई थी। यहां पर नमाज बंद करने का आंदोलन चलाया गया।

कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस के रमेश गौड़ा को यहां से 72817 वोट 39.92 फ़ीसदी मत प्राप्त हुए। वहीं भाजपा के एस सच्चिदानंद को 42000 वोट 22।84 फ़ीसदी प्राप्त हुए रामनगर में भव्य राम मंदिर बनाने का आंदोलन चलाया जा रहा था। इस प्राचीन मंदिर को भव्य राम मंदिर बनाने के लिए कर्नाटक सरकार ने 40 लाख रुपए का बजट भी दिया। इस विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के इकबाल हुसैन को 87690 मत 47.96 फ़ीसदी वोट प्राप्त हुए हैं। भाजपा के उम्मीदवार गौतम घोड़ा को मात्र 12912 वोट 7.07 फ़ीसदी मत प्राप्त हुए। इनकी भी करारी पराजय हुई है। कर्नाटक के माइनिंग टायकून जनार्दन रेड्डी के भाई सोमशेखर रेड्डी, भाजपा की टिकट पर खड़े हुए थे। यह भी तीसरे नंबर पर आए। इन्हें मात्र 37155 वोट मिले। यहां से भी कांग्रेस उम्मीदवार ने जीत दर्ज कराई है।

कर्नाटक चुनाव में इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि का असर होता हुआ नहीं दिखा है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान 91 बार गालियां देने की बात करके, मतदाताओं की सहानुभूति अर्जित करने की कोशिश की। जो निष्फल साबित हुई। प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री इतने शक्तिशाली हैं, इसके बाद भी वह जनता की समस्याओं की लिस्ट नहीं बना रहे हैं, गालियों की लिस्ट बना रहे हैं। इसने मतदाताओं को ज्यादा प्रभावित किया। इसी तरह बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात को बजरंगबली से जोड़कर हिंदुत्व की लहर पैदा करने की कोशिश की गई। उसका भी उल्टा असर हुआ। आम जनता के बीच में बजरंग दल की अलग छवि है। बजरंगबली की, भगवान के रूप में छवि है। इन सब बातों में गौर करने पर दक्षिण के राज्यों में हिंदुत्व को लेकर भाजपा अपना जनाधार बनाना चाहती थी। उसमें वह विफल साबित हुई है। केरल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सक्रिय है। तमिलनाडु में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं। किंतु दक्षिण के राज्यों में कहीं पर भी हिंदुत्व के मुद्दे पर धुव्रीकरण नहीं हो पा रहा है। यह चुनाव परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने भी लोगों की सोच को बदलने का काम किया है। मोहब्बत और नफरत की बातें अब आम आदमी भी समझने लगा है। सत्ता के खेल को भी अब आम आदमी समझ रहा है। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में दो बातें स्पष्ट हो गई। हिंदुत्व का कार्ड दक्षिण के राज्यों में नहीं चलेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हिंदू सम्राट के रूप में मतदाताओं में जो विश्वास था, वह भी डगमगाने लगा है। लोगों को जीवन यापन में भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। महंगाई और बेरोजगारी अब धर्म से भारी पड़ रही है। भाजपा को लोकसभा चुनाव जीतने के लिए अब नई रणनीति तैयार करना होगी। अन्यथा धार्मिक ध्रुवीकरण के बल पर जो हो सकता था, वह हो चुका है। काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है। इस वास्तविकता को समझने की जरूरत है।

## राजनीति की दुकान के फीके-मीठे पकवान

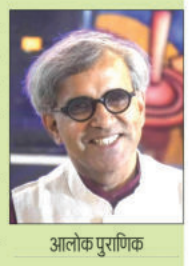

आलोक पुराणिक

राहुल गांधी ने कर्नाटक विधानसभा परिणाम आने के बाद कहा- नफरत का बाजार बंद और मुहब्बत की दुकान शुरू। समझने की बात है कि पॉलिटिक्स बाजार और दुकान के इर्द-गिर्द ही घूम रही है। एक की दुकान बंद हो तो दूसरे की दुकान खुले।

दुकान, बाजार यही सब है,सेंटर में पॉलिटिक्स हो या बिजनेस। वैसे पॉलिटिक्स खुद एक बिजनेस है। पॉलिटिक्स का दुकान मॉडल ही चल रहा है अब। एक दुकान में ग्राहक कम आना शुरू हो जाते हैं, तो उस दुकान के सेल्समैन वह दुकान छोड़कर दूसरी दुकान ज्वाइन कर लेते हैं। दुकान और पॉलिटिक्स में एक बुनियादी फर्क वैसे यह तो होता है कि दुकान के मामले में साफ होता है कि वहां बिक क्या रहा है। पर पॉलिटिक्स में यह न पता चलता कि कौन क्या बेच रहा है। अब बिहार के सबसे बड़ नेता को देखकर पता लगाना मुश्किल है कि वह असल में क्या बेचते हैं। उनका पांच-सात साल का ट्रेक रिकार्ड देखकर समझ में यह आता कि वह जो बेच रहे थे, फिर ठीक उसके उलटे आइटम बेचने लगे। वैसे यह तो देखा गया है कि जो बंदा सर्दियों में गर्म चीज बेचता है, वह गर्मियों में मौसम के हिसाब से गन्ने का रस बेचने लग जाता है। दरअसल मौसम देखकर धंधा बदल लेना अक्लमंदी है। लेकिन यह बात रेहड़ी पर सामान विक्रेताओं वालों के बारे में की जा रही है या नेताओं के बारे में। हाल तक कर्नाटक में एक पार्टी की हैसियत छोटी रेहड़ी वाले की थी, यह रेहड़ी इतनी पॉवरफुल थी कि कभी इस शोरूम वाले, कभी उस शोरूम वाले बारगेन कर लेते थे। फिर बाजार का हाल ऐसा बदला कि किसी भी शोरूम वाले को इस रेहड़ी की जरूरत न रही।

दुकानदारी में कई बार बड़े पेंच आ जाते हैं। अब लेफ्ट वालों की दुकान केरल में कांग्रेस के कंपीटिशन वाली दुकान है। पर बंगाल में कांग्रेस की दुकान में लेफ्ट वाले घुसे हुए पाये जाते हैं। यानी दुकानदारी के मामले लोकल लेवल पर निपटा लिये जायें, तो सही रिजल्ट दे जाते हैं। हर जगह एक-सी दुकानदारी नहीं चल सकती न। किसी जगह के ग्राहक समोसे में तीखी मिर्च पसंद करते हैं और कई जगह के ग्राहक उनमें हल्की मिर्च चाहते हैं। तो ग्राहक की पसंद के हिसाब से पार्टनर बदल देते हैं, यह बात हम विक्रेताओं के बारे में कह रहे हैं या नेताओं के बारे में भी।

तो मुद्दा दुकान और बाजार का ही है, वह विचार पुराना है कि मुद्दा विचारधारा का होता है। यूं विचार की भी अपनी दुकान होती है। बड़े-बड़े क्रांतिकारियों के विचार टीशर्ट पर छप जाते हैं और फिर टीशर्ट को बेचा जाता है दुकान पर। बड़े-बड़े क्रांतिकारी आखिरी पर टीशर्ट पर छपकर बिक रहे हैं, पॉलिटिक्स के दुकान और बाजार मॉडल से मुक्ति नहीं है, उनकी भी, जो बाजार और दुकान के खिलाफ हैं, क्योंकि दुकान के खिलाफ जाना है, तो भी दुकान खोलकर बताना होगा कि हम दुकान के खिलाफ हैं जी। दुकान तो चाहिए ही जी। यह बात दुकानदार नहीं, नेता भी कह रहे हैं।

# विश्व दूरसंचार एवं सूचना समाज दिवस

डॉ. अरविन्द प्रेमचंद जैन

विश्व दूरसंचार एंव सूचना समाज दिवस हर साल 17 मई को एक नई थीम के साथ विश्वभर में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश संचार के महत्व को लेकर जागरुकता बढ़ाना है. खासकर आज के समय में जहां पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है। इस महामारी से लोगों ने दुनिया में दूरसंचार का महत्व और अच्छी तरहा से समझा है। जब पुरी दुनिया घर पर बंद होने को मजबूर हुई तो लोग आपस में अपने परिवार और प्रियजनों से दूरसंचार के माध्यम से जुड़े रहे, साथ ही अपने घर से ही दफ्तर के काम भी करे गए. इस वर्ष विश्व दूरसंचार एंव सूचना समाज दिवस की थीम वृद्ध व्यक्तियों और स्वस्थ उम्र बढ़ाने के लिए डिजिटल तकनीक रखी गई है। देखा जाए तो, बिना दूरसंचार के संसार की कल्पना करना भी कठिन होगा।

17 मई 1969 से हर वर्ष विश्व दूरसंचार दिवस मनाया जाता है। इसे आईटीयू की स्थापना दिवस और 1865 में पेरिस में पहले अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ कन्वेंशन पर हुए हस्ताक्षर के दिन पर मनाने का फैसला लिया गया था. इसके साथ ही 1973 में मैलेगा-टोरेमोलिनोस में प्लेनिपोटेंटरी सम्मेलन द्वरा इसे संकल्प के रूप में स्थापित किया गया।

औपचारिक रूप से इस कार्यक्रम को 1973 में आईटीयू प्लेनिपोटेंटरी सम्मेलन में मैलेगा-टोरेमेलिनोस, स्पेन में स्थापित किया गया था। इसमें हर वर्ष, एक समाजिक विषय का चयन किया जाता है और फिर विश्व दूरसंचार दिवस को दुनियाभर में मनाया जाता है। दूरसंचार और सूचना प्रोद्योगिकी और विशेष रूप से इंटरनेट के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखकर यह माना जाता है कि विषय ऐसा हो जिसे जनता के ध्यान में लाया जा सके। इसी कारण से 2005 में वर्ल्ड समिट ऑन द इंफॉर्मेशन सोसाइटी नें संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा से 17 मई को विश्व सूचना समाज दिवस के रूप में घोषित करना का अनुरोध किया।

2005 में हुए सूचना समाज विश्व शिखर स्म्मेलन नें संयुक्त राष्ट्र महासभा को 17 मई को विश्व सूचना दिवस के रूप में घोषित करने के लिए आईसीटी के महत्व और डब्ल्यूएसआईएस द्वारा उठाए गए सूचना समाज से जुड़े हुए मुद्दों की श्रृंखला पर धयान केंद्रित करने कि बात करती है। महासभा ने मार्च 2006 में एक प्रस्ताव (ए/आरईएस/60 /252 ) अपनाया, जिसके तहत कहा गया कि, विश्व सूचना समाज दिवस हर वर्ष 17 मई को मनाया जाएगा।

इसी तरह नवंबर 2006 में तुर्की के अंताल्या में आईटीयू पूर्णाधिकार सम्मेलन ने 17 मई को विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस के रूप में दोनों को मनाने का फैसला लिया और इसे विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस कहा गया. इस अद्यतन संकल्प में 68 राज्य और क्षेत्र सदस्यों को प्रतिवर्ष राष्ट्रिय कार्यक्रम आयोजित करके इस दिन को मनाने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इन सभी भागीदारों के साथ परिषद द्वारा चुने गए विषय के सभी पहलुओं पर वाद-विवाद किया जाता है। विषय के अंदर

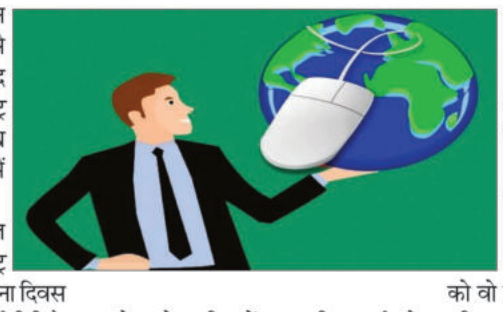

आने वाले सभी मुद्दों पर राष्ट्रीय चर्चा को दर्शाते हुए एक रिपोर्ट बनाई जाती है ताकि आईटीयू और बाकी के सदस्यों पर इसकी प्रतिक्रिया ली जाए।

### दूरसंचार क्या है?

वह संचार जो केबल, टेलीग्राफ या प्रसारण के माध्यम से दूर से किया जाता है. अगर दूसरे शब्दों में इसे जाने तो- किसी को संदेश भेजना, संकेत, छवियों, शब्दों, ध्वनियों (फोन कॉल) आदि के रूप में किसी भी तरहा की जानकारी का प्रसारण करना दूरसंचार होता है। इसके बिना किसी भी तरह की सूचना का अदान-प्रदान संभव नहीं हो सकता है।

### दूरसंचार से जुड़े कुछ रोचक तथ्य

जब दूरसंचार की बात हो तो उसके कुछ अन्य तथ्य भी जानने जरूरी है. ऐसे तथ्य जो आपको चकित कर देंगे।

- पहला लिखित संदेश जो नील पापवर्थ ने भेजा था, वो एक उत्सव के बारे में था जिसमें मेरी क्रिसमस लिखा था।
- सबसे पहला वौइस् ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल दिसंबर 1974 में बना।
- मोबाईल फोन का सबसे आम काम समय का देखना है।
- टेलीफोन की तारों को इस आधार पर रैंक किया गया है कि चूहे को वो कितनी स्वादिष्ट लगती हैं; टेलीफोन की तार जितनी स्वादिष्ट होगी, उसके इस्तेमाल की संभावना उतनी ही कम होगी।
- एसएमएस टेक्स संदेश प्राप्त करने वाली नोकिया मोबाईल की टोन वास्तव में एसएमएस के लिए मोर्स कोड है।
- सैन फ्रांसिस्को और न्यूयॉर्क के बीच पहली फोन लाइन को जोड़ने में लगभग एक वर्ष का समय लगा था।
- संयुक्त राज्य के इतिहास में टेलीफोन सबसे अधीक लाभकारी आविष्कार है।

### पिछलें सालों विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस के लिए तैय की गई थीम

वौश्विक आबादी का बुढ़ापा 21 वीं सदी की परिभाषित जनसंख्यिकिय प्रवृत्ति होगी- यह आश्चर्य कि बात है कि वह अब भी उन अवसरों को देखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं जो की इस प्रवृति को सामने ला सकते हैं। दूरसंचार प्रौद्योगिकी को स्वस्थ उम्र बढ़ाने में एक आहम भूमिका निभनी है। लेकिन साथ ही लोगों को स्मार्ट शहर बनाने, कार्यस्थन पर उम्र आधारित भेदभाव से मुकाबला करने और वृद्ध व्यक्तियों के वित्तीय समावेश को सुनिश्चित करने और दुनिया भर में लाखों देखभाल करने वालों का समर्थन करने में भी मदद करना है।

### सोसाईटी डे का महत्व

महामारी के दौरान हुए लॉकडाउन नें लोग आपस में उतने जुड़े नहीं थे। दूरसंचार लोगों के लिए एक मात्र साधन है जिससे वह अपने परीवार और प्रियजनों से जुड़े रह सकते हैं। विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस का मुख्य उद्देश्य सुरक्षित रूप से लोगों के कनेक्शन के महत्व को प्रदर्शित करना है। संचार इस व्यस्त दुनिया में एक महत्वपूर्ण कारक है, जिससे लोग आपस में असानी से जुड़ पा रहे हैं। आज के समय में दूरसंचार आर्थिक, राजनीतिक और समाजिक कल्याण के लिए अहम भुमिका निभा रहा है, आजकल दूरसंचार व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है और साथ ही कई लोगों द्वारा असानी से पहचाना भी जाता है।

# 24 चेक पोस्ट पर प्रतिवर्ष 5 हजार करोड़ की अवैध वसूली

## केन्द्र द्वारा मप्र के चेकपोस्ट पर भारी भ्रष्टाचार की शिकायत

## जीएसटी काउंसिल की बैठक में स्वीकृति के बाद भी चेक पोस्ट बंद नही किए

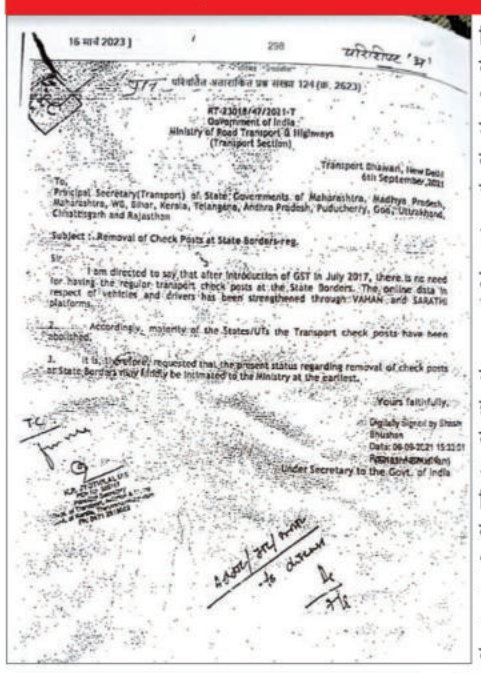


16 मार्च 2023 ]    298    परिशिष्ट '37'

परिवर्तित अतारांकित प्रश्न संख्या 124 (क्र. 2623)

RT-23018/47/2021-T
Government of India
Ministry of Road Transport & Highways
(Transport Section)

Transport Bhawan, New Delhi
6th September, 2021

To,
Principal Secretary(Transport) of State Governments of Maharashtra, Madhya Pradesh, Maharashtra, WB, Bihar, Kerala, Telangana, Andhra Pradesh, Puducherry, Goa, Uttrakhand, Chhattisgarh and Rajasthan

Subject : Removal of Check Posts at State Borders-reg.

Sir,

I am directed to say that after introduction of GST in July 2017, there is no need for having the regular transport check posts at the State Borders. The online data in respect of vehicles and drivers has been strengthened through VAHAN and SARATHI platforms.

2. Accordingly, majority of the States/UTs the Transport check posts have been abolished.

3. It is, therefore, requested that the present status regarding removal of check posts at State Borders may kindly be intimated to the Ministry at the earliest.

Yours faithfully,
Digitally Signed by Shashi Bhushan
Date: 06-09-2021 15:33:01
Under Secretary to the Govt. of India

**माही की गूंज, रतलाम।**

जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होते वक्त मध्यप्रदेश शासन द्वारा राज्य की सीमा पर बने 24 चेक पोस्ट को तीन माह मे बंद करने का आश्वासन देने के बाद भी उसे बंद नहीं किया जाना, शिवराज सरकार द्वारा भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का जीता जागता उदाहरण है। इन चेक पोस्टों पर प्रतिवर्ष ?5 हजार करोड़ की अवैध वसूली हो रही है, और भाजपा सरकार के कार्यकाल में अभी तक ?50 हजार करोड की अवैध वसूली की जा चुकी है। यह आरोप प्रदेश कांग्रेस आरोप पत्र समिति के उपाध्यक्ष, पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने लगाया। सकलेचा ने कहा कि 2015 से 2017 तक जीएसटी काउंसिल की बैठक में सभी राज्यों के साथ मध्य प्रदेश सरकार ने भी अपनी राज्य की सीमा पर बने हुए चेकपोस्ट 3 माह में बंद करने का आश्वासन दिया था। उसे बंद करने की जगह पिछले 7 साल में 4 और अस्थाई चेकपोस्ट समय-समय पर खोल दिए गए।

### 10 जुलाई 2020 को आमागढ बालाघाट मे अस्थायी चेकपोस्ट चौकी खोली गई

6 सितंबर 2021 को केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने शिवराज सरकार को पत्र लिखकर जीएसटी लागू होने के बाद चेक पोस्ट को बंद करने का पुनः एक बार कहा। यह भी कहा कि अधिकांश राज्य सरकार और केंद्र शासन ने चेकपोस्ट को बंद कर दिया है। उसके बाद भी शिवराज सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की। अपितु यह रिपोर्ट भेज दी की मोटर यान अधिनियम 1988, 1989, 1994 तथा कराधान अधिनियम 1991 के अनुसार कर एवं शमन शुल्क वसूलने के लिए चेक पोस्ट होना जरूरी है। अगस्त 2022 में केंद्र सरकार ने पुनः एक चिट्ठी लिखते हुए नाराजी व्यक्त की कि मध्यप्रदेश के चेक पोस्ट पर जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। उन्हें तत्काल बंद किया जाए। लेकिन उसके बाद भी शासन ने कोई कार्यवाही नहीं की। 01 सितंबर 2022 को मुख्यमंत्री कार्यालय के पत्र के अनुक्रम मे 15 सितंबर 2022 को परिवहन आयुक्त को चेक पोस्ट के मामले में रिपोर्ट पेश करने के लिए आदेश दिया गया। आज तक उन्होंने किसी प्रकार की कोई रिपोर्ट पेश नहीं की।

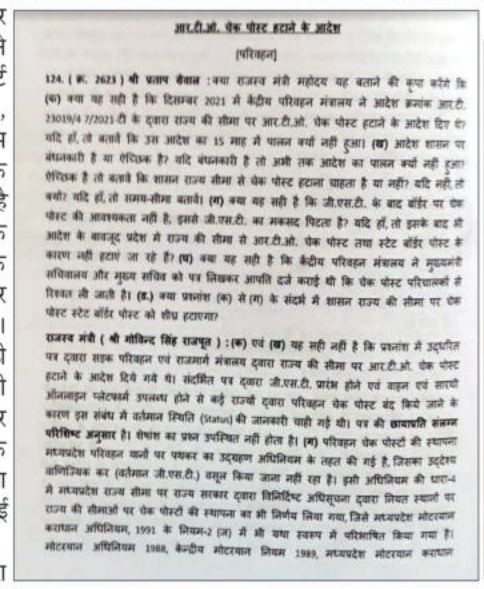

मध्य प्रदेश ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन द्वारा आवाज बुलंद करने पर तथा विधानसभा में प्रश्न की कार्यवाही पर 27 दिसंबर 2022 को समीक्षा के लिये तीन अधिकारियों की एक कमेटी बनाई गई, कि वह चेक पोस्ट पर 3 माह में अपनी रिपोर्ट पेश करें। आज पांच माह होने के बाद भी उस कमेटी ने कोई रिपोर्ट पेश नहीं की, तथा आज भी चेक पोस्ट पर अवैध वसूली का कार्य युद्ध स्तर पर चालू है। एक मीडिया संस्थान द्वारा मध्य प्रदेश के 3 चेकपोस्ट, सेंधवा पिटोल तथा नयागांव पर किये सिंटग ऑपरेशन में जो चौकानेवाले तथ्य उजागर हुए हैं वह चेक पोस्ट के लूट की कहानी को सत्यापित करते हैं। दैनिक भास्कर की टीम के सिंटग ऑपरेशन से निकल कर आया है कि सेंधवा चेक पोस्ट पर प्रतिमाह ?24 करोड, पिटोल चेक पोस्ट पर प्रतिमाह ?12 करोड और नयागांव चेकपोस्ट पर प्रतिमाह ?16 करोड की अवैध वसूली हो रही है। साथ ही वाहनों को 6 से 8 घंटे तक अनावश्यक रोका जा रहा है। चेकपोस्ट की इस लुट से प्रदेश में ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट 17.5 है जो देश के सबसे उन्चे पायदान पर है। जबकि देश की औसत ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट 13.5 है, जिसे केन्द्र ने पान्च साल मे 7.5 पर लाने का लक्ष्य तय किया है। प्रदेश की हायर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट के कारण महंगाई अन्य राज्य की तुलना में ज्यादा है और इस कारण से राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (एसजीडीपी) निरंतर गिर रहा है।

सकलेचा ने आरोप लगाया कि चेकपोस्ट को बंद नही करने मे सत्ता के शिखर का हाथ है। और केंद्र सरकार के स्पष्ट निर्देश के बाद, आदेश के बाद भी इसे बंद नही करना इस लुट की कहानी के सत्य को स्थापित करता है।


आर.टी.ओ. चेक पोस्ट हटाने के आदेश

[परिवहन]

124. ( क्र. 2623 ) श्री प्रताप ग्रेवाल : क्या राजस्व मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि (क) क्या यह सही है कि दिसम्बर 2021 में केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने आदेश क्रमांक आर.टी. 23019/4 7/2021-टी के द्वारा राज्य की सीमा पर आर.टी.ओ. चेक पोस्ट हटाने के आदेश दिए थे? यदि हाँ, तो बतावें कि उस आदेश का 15 माह में पालन क्यों नहीं हुआ। (ख) आदेश शासन पर बंधनकारी है या ऐच्छिक है? यदि बंधनकारी है तो अभी तक आदेश का पालन क्यों नहीं हुआ? ऐच्छिक है तो बतावें कि शासन राज्य सीमा से चेक पोस्ट हटाना चाहता है या नहीं? यदि नहीं, तो क्यों? यदि हाँ, तो समय-सीमा बतावें। (ग) क्या यह सही है कि जी.एस.टी. के बाद बॉर्डर पर चेक पोस्ट की आवश्यकता नहीं है, इससे जी.एस.टी. का मकसद पिटता है? यदि हाँ, तो इसके बाद भी आदेश के बावजूद प्रदेश में राज्य की सीमा से आर.टी.ओ. चेक पोस्ट तथा स्टेट बॉर्डर पोस्ट के कारण नहीं हटाए जा रहे हैं? (घ) क्या यह सही है कि केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने मुख्यमंत्री सचिवालय और मुख्य सचिव को पत्र लिखकर आपत्ति दर्ज कराई थी कि चेक पोस्ट परिचालकों से रिश्वत ली जाती है। (ङ) क्या प्रश्नांश (क) से (ग) के संदर्भ में शासन राज्य की सीमा पर चेक पोस्ट स्टेट बॉर्डर पोस्ट को शीघ्र हटाएगा?

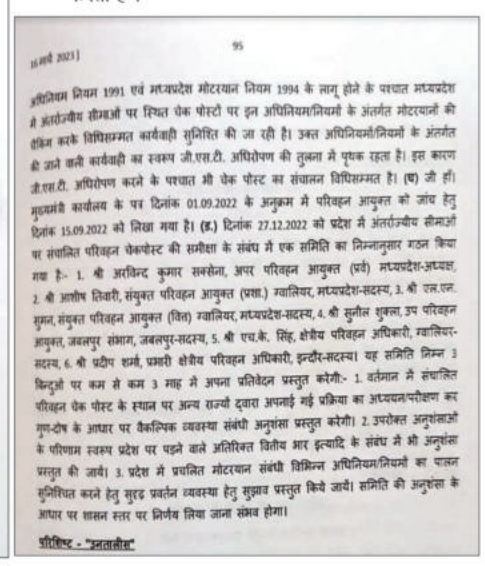

राजस्व मंत्री ( श्री गोविन्द सिंह राजपूत ) : (क) एवं (ख) यह सही नहीं है कि प्रश्नांश में उद्धरित पत्र द्वारा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा राज्य की सीमा पर आर.टी.ओ. चेक पोस्ट हटाने के आदेश दिये गये थे। संदर्भित पत्र द्वारा जी.एस.टी. प्रारंभ होने एवं वाहन एवं सारथी ऑनलाइन प्लेटफार्म उपलब्ध होने से कई राज्यों द्वारा परिवहन चेक पोस्ट बंद किये जाने के कारण इस संबंध में वर्तमान स्थिति (Status) की जानकारी चाही गई थी। पत्र की छायाप्रति संलग्न परिशिष्ट अनुसार है। शेषांश का प्रश्न उपस्थित नहीं होता है। (ग) परिवहन चेक पोस्टों की स्थापना मध्यप्रदेश परिवहन यानों पर पथकर का उद्ग्रहण अधिनियम के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य वाणिज्यिक कर (वर्तमान जी.एस.टी.) वसूल किया जाना नहीं रहा है। इसी अधिनियम की धारा-4 में मध्यप्रदेश राज्य सीमा पर राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट अधिसूचना द्वारा नियत स्थानों पर राज्य की सीमाओं पर चेक पोस्टों की स्थापना का भी निर्णय लिया गया, जिसे मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम, 1991 के नियम-2 (ज) में भी यथा स्वरूप में परिभाषित किया गया है। मोटरयान अधिनियम 1988, केन्द्रीय मोटरयान नियम 1989, मध्यप्रदेश मोटरयान कराधान


16 मार्च 2023 ]    95

अधिनियम नियम 1991 एवं मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1994 के लागू होने के पश्चात मध्यप्रदेश में अंतर्राज्यीय सीमाओं पर स्थित चेक पोस्टों पर इन अधिनियम/नियमों के अंतर्गत मोटरयानों की जाँच करके विधिसम्मत कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। उक्त अधिनियमों/नियमों के अंतर्गत की जाने वाली कार्यवाही का स्वरूप जी.एस.टी. अधिरोपण की तुलना में पृथक रहता है। इस कारण जी.एस.टी. अधिरोपण करने के पश्चात भी चेक पोस्ट का संचालन विधिसम्मत है। (घ) जी हाँ। मुख्यमंत्री कार्यालय के पत्र दिनांक 01.09.2022 के अनुक्रम में परिवहन आयुक्त को जांच हेतु दिनांक 15.09.2022 को लिखा गया है। (ङ) दिनांक 27.12.2022 को प्रदेश में अंतर्राज्यीय सीमाओं पर संचालित परिवहन चेकपोस्ट की समीक्षा के संबंध में एक समिति का निम्नानुसार गठन किया गया है:- 1. श्री अरविन्द कुमार सक्सेना, अपर परिवहन आयुक्त (प्रव) मध्यप्रदेश-अध्यक्ष, 2. श्री आशीष तिवारी, संयुक्त परिवहन आयुक्त (प्रशा.) ग्वालियर, मध्यप्रदेश-सदस्य, 3. श्री एल.एन. सुमन, संयुक्त परिवहन आयुक्त (वित) ग्वालियर, मध्यप्रदेश-सदस्य, 4. श्री सुनील शुक्ला, उप परिवहन आयुक्त, जबलपुर संभाग, जबलपुर-सदस्य, 5. श्री एच.के. सिंह, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, ग्वालियर-सदस्य, 6. श्री प्रदीप शर्मा, प्रभारी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, इन्दौर-सदस्य। यह समिति निम्न 3 बिन्दुओं पर कम से कम 3 माह में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी:- 1. वर्तमान में संचालित परिवहन चेक पोस्ट के स्थान पर अन्य राज्यों द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया का अध्ययन/परीक्षण कर गुण-दोष के आधार पर वैकल्पिक व्यवस्था संबंधी अनुशंसा प्रस्तुत करेगी। 2. उपरोक्त अनुशंसाओं के परिणाम स्वरूप प्रदेश पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय भार इत्यादि के संबंध में भी अनुशंसा प्रस्तुत की जावे। 3. प्रदेश में प्रचलित मोटरयान संबंधी विभिन्न अधिनियम/नियमों का पालन सुनिश्चित करने हेतु सुदृढ़ प्रवर्तन व्यवस्था हेतु सुझाव प्रस्तुत किये जावें। समिति की अनुशंसा के आधार पर शासन स्तर पर निर्णय लिया जाना संभव होगा।

परिशिष्ट - "उनतालीस"

## इधर से उधर रेकी करने में माहिर हैं जिला आबकारी अधिकारी मंदाकनी दीक्षित

**माही की गूंज, शाजापुर।**
**अजय राज केवट**




इन दिनों सुर्खियों का केंद्र बना हुआ है आबकारी विभाग। क्योंकि जब से महिला अधिकारी ने शाजापुर जिले में दस्तक दी है तब से ही महिलाओ का जीना दुश्वार हो गया है। अगर कोइ ग्रामीण या पत्रकार मंदाकानी दिक्षित को फ़ोन कर अवैध शराब की सुचना देते है तो महारानी जी फोन रिसिव ना करके पत्रकार वा ग्रामीणों की सुचना शराब ठेकेदार व सब स्पेक्टर सुरेश पटेल को बता देती है कि, इस-इस नम्बर से फोन आ रहा है आप बात कीजिए आखिर अधिकारी की सोच किस प्रकार की हे और अवैध शराब की सुचना देने वाले की जान जोखिम में क्यू डाल रही है समझ के परे है। ऐसी महिला अधिकारियों को कुर्सी तोड़ने के अलावा कोई काम नहीं बचा है, चंद पैसों में अपना ईमान-धर्म बेचकर ठेकेदार व शराब माफिया से गठजोड़ कर आम जनमानस का खून चूसने से बाज नहीं आ रही है। आखिर प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान ने इस भ्रष्ट महिला अधिकारी मंदाकिनी दीक्षित को क्यों शाजापुर जिले की महिलाओं का शोषण करने के लिए पदस्थ किया है यह भी सोचने का विषय है। क्योंकी खुद महीला होते हुए भी महिलाओ को शराब से मुक्ति नहीं दिला पा रही है, इनके महीला अधिकारी होने पर बड़े शर्म की बात है, क्योंकी ख़ुद नारी शक्ति होकर भी शराब माफिया से चन्द पेसो के खातिर अपना ईमान धर्म तक बेच देती है। ऐसी भृष्ट अधिकारी से क्या उम्मीद की जाए ग्रामीण क्षेत्रों को इन शराब माफियाओ से मुक्ति मिल पाएगी या फिर ग्रामीण क्षेत्रों में शराब माफियाओ का आतंक जारी रहेगा...?

## कैबिनेट मंत्री डंग के पुत्र की सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी का मामला आया सामने

**माही की गूंज, मंदसौर।**

कैबिनेट मंत्री हरदीपसिंह डंग, मंदसौर विधायक यशपालसिंह सिसौदिया के पुत्र डॉ. भानु के नाम से सोशल मीडिया पर फेक आईडी बनाने के बाद अब तीसरा बड़ा मामला सामने आया। जिले के भानपुरा थाने के एसआई गौरव लाड़ के नाम से सोशल मीडिया पर फेक आईडी बनाई और सामने वालों को मैसेज भेजकर रुपयों की डिमांड की गई। फेक आईडी बनाने वाले ने लाड़ के परिचितों को संदेश भेज 10 तो किसी से 20 हजार रुपए मांगे। इस बीच मंदसौर पुलिस ने साइबर क्राइम को लेकर जागरूक रहने का संदेश जारी किया है। फ्रॉड कॉल से भी सावधानी बरतने, आवश्यक जानकारी ना देने की अपील की। साइबर फ्रॉड के इन तीनों ही मामलों में संबंधित पक्षों डंग, डॉ. भानु व एसआई लाड़ ने परिचितों को मैसेज के जरिए ही ये घटनाक्रम बताए और फर्जी आईडी बनाकर धोखाधड़ी करने वालों से सचेत रहने को कहा। मंदसौर साइबर पुलिस ये मामले ट्रेस नहीं कर पाई है। पुलिस के मुताबिक सूचना देरी से मिलने के चलते ऐसे मामलों को ट्रेस करने में परेशानी आती है। सावधानी ही उपाय है।

## धमकी बाज पुलिस की पकड़ से बाहर

**माही की गूंज, शुजालपुर।**



फरियादी राकेश नाथ द्वारा सीटी थाने में पंकज पवार के विरुद्ध प्रताड़ित करने का आवेदन सीटी थाने में दिया गया था, जिसमें फरियादी द्वारा बताया गया कि, पंकज पवार ड्राइवर निवासी मार्केटिंग के पास शुजालपुर द्वारा मुझे जान से मारने की धोस, धमकी दी जा रही है कि, तेरी पत्नी को तलाक दे अन्यथा तुझे या तेरे परिवार को जान से खत्म कर दूंगा। 7 अप्रैल 2023 को थाने में आवेदन देने के बाद फरियादी राकेश नाथ का फोन बंद आने लगा। करीब तीन-चार दिन बाद परिजनों ने राकेश नाथ की गुमशुदा की रिपोर्ट शुजालपुर सिटी थाने में दर्ज करा दी गई फरियादी राकेश को गुमशुदा हुए 1 महीने से अधिक बीत गया है, लेकिन आरोपी पंकज ड्राइवर पुलिस गिरफ्त से बाहर है पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे आरोपी के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। 1 महीना बीत जाने के बाद फरियादी राकेश नाथ का पता नहीं चलने से किसी अन्य घटना की आशंका जताई जा रही है। शुजालपुर सिटी पुलिस द्वारा आरोपी को संरक्षण दिया जा रहा है का आरोप लग रहे है। आरोपी पंकज ड्राइवर को यदि बुलाकर शक्ति से पूछ-ताछ की जाए तो गुमशुदगी का मामला सुलझ सकता है गुमशुदा राकेश के मामले में पुलिस कुंभकरण की नींद सो रही है और आरोपी पंकज पवार को खुला संरक्षण देकर छोड़ दिया। एक और पुलिस कप्तान द्वारा व्यवस्था सुधारने के लिए दिन-रात मेहनत की जा रही है वही सुजालपुर सिटी पुलिस द्वारा पंकज पवार जैसे आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

## संभागीय अध्यक्ष मनोनित

**माही की गूंज, शुजालपुर।**

परशुराम सेना मध्य प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष देवकरण शर्मा ने मुख्यप्रबन्धन समिति की सहमति से पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल पाठक को उज्जैन संभागीय अध्यक्ष मनोनित किया। इस अवसर पर परशुराम चौराहा स्थित श्री गौड ब्रदर्स पर परशुराम सैनिकों द्वारा साफा बांधकर, उपर्णा व फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर समाज सेवी गोपाल शुक्ला, राजेश दवे, सुनील जोशी, प्रवीण जोशी, ओम पंचोली, मनोज शुक्ला, पार्षद कपील व्यास, धीरज तिवारी, राजेश दुबे, रितेश शर्मा, अशुतोष शुक्ला, अजय तिवारी सहित आदि अन्य समाज जन उपस्थित रहे।

## एक दिन में 1562 डीबीटी एवं आधार से सक्रीय खाते खोले

**माही की गूंज, शाजापुर।** मात्र 4 मिनिट में खाता खुलने की विशेषता कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल एवं पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर क्षेत्र श्रीमती प्रीति अग्रवाल के मार्गदर्शन में राज्य शासन महिला एवं बाल विकास विभाग और राजस्व विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भारतीय डाक विभाग के कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित कर इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक शाजापुर के द्वारा गत 15 मई को एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए एक दिन में नए 1562 डीबीटी एवं आधार से सक्रीय खाते खोले गए।

प्राप्त जानकरी के अनुसार यह खाते मुख्यतः लाड़ली बहना योजना, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि पाने वाले हितग्राहियों के खोले जा रहे है। यह कीर्तिमान स्थापित करने वाला शाजापुर मध्यप्रदेश में प्रथम जिला है। इसके लिये प्रवर अधीक्षक डाकघर एसके ठाकरे द्वारा धन्यवाद दिया गया।

**इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक खातों की विशेषता**

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक खातों की विशेषता यह है कि, ये खाता मात्र चार मिनिट में खुल जाता हैं और तुरंत ही आधार से एवं डीबीटी से सक्रीय भी हो जाता है। इस खातें में सरकार द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से जितनी भी योजनाओं की राशि डाली जाती हैं, वो बिना किसी अवरोध के आ सकती है। साथ ही राशि निकासी भी हितग्राही के निकटतम पोस्ट ऑफिस में हो सकती है।

## आरोपी के साथ मशरूका जप्त

**माही की गूंज, शुजालपुर।** शुजालपुर पुलिस को लूट के मामले में सफलता हाथ लगी है। एसपी यशपाल सिंह राजपूत द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को फरार आरोपी व वारंटी की तलाश तथा लूट के मामले में आरोपीयों की गिरफ्तारी और अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए है। जिसको लेकर एएसपी टीएस बघेल व एसडीओपी शुजालपुर के मार्गदर्शन में शुजालपुर सिटी थाना प्रभारी सौरभ शर्मा ने अप क्र 101/2023 धारा 393 भादवि मे अज्ञात आरोपीगणो की पतारसी हेतु थाना टीम गठित की थी।



एएसपी टी.एस.बघेल ने बताया कि, शुजालपुर में हुई घटना में आरोपीगण फरार थे जिनकी पतारसी के लिये एसपी यशपाल सिंह राजपूत द्वारा 5 हजार रुपये का ईनाम भी घोषित किया था। मुखबिर सुचना तंत्र एवं तकनीकी सहाय के माध्यम से आरोपीगण मनीष पिता कमल पुष्पद (18) नि. वाल्मिकीपु शुजालपुर सिटी, कुलदीप पिता ओमप्रकाश सिसौदिया (19) नि. रायकनपुरा शुजालपुर सिटी, पीयुष परमार पिता मोहन सिंह परमार (21) नि. ग्राम मण्डावर हाल मुकाम प्रेम नगर थाना शुजालपुर मंडी, हरि ओम पिता मनोहर सिंह मेवाड़ा (19) नि. सेतखेड़ी चौकी इकलेरा थाना तलेन हाल प्रेम नगर शुजालपुर मंडी, अनुराग पिता शेरसिंह राजपुत (19) निवासी रायकनपुरा शुजालपुर सीटी को जटा शंकर मंदिर के पीछे शुजालपुर मंडी से पकडा तथा पुछ-ताछ करने पर घटना करना स्वीकार किया। जो प्रकरण मे धारा 395 भादवि (डकैती का प्रयास) बड़ाई गई तथा घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल एवं अन्य मशरुका जप्त किये गये।

एएसपी टी.एस.बघेल ने बताया कि, उक्त आरोपीगणो को पकड़ने में थाना प्रभारी शुजालपुर सिटी सौरभ शर्मा, उनि विजय खत्री, सउनि नरेन्द्र सिंह बुन्देला, प्रआर कैलाश बाबु श्रीवास्तव, आरगण 'भूपेन्द्र मनोरिया,' योगेन्द्रसिंह परमार, रविकांत यादव तथा प्रआरगण सुनिल पटेल (चालक) विकास तिवारी, अनिल मण्डलोई, आरकक्षकगण राजेश दाँगी, अनिल सक्सेना (सायबर सेल) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र में आकर भी मुख्यमत्रीं ने नहीं कि गरोठ जिला बनने कि घोषणा

**माही की गूंज, भानपुरा।** पिछले 31 वर्षों से गरोठ को जिला बनाने कि मांग पुरे जोर शोर से की जा रही है पर अभी तक केवल यह आश्वासन में रहकर ही सिमट गई हे,प्रदेश के मुखिया शिवराजसिंह चौहान 11 मई को गरोठ विधानसभा क्षेत्र के मेलखेड़ा आए थे बजारां समाज के आराध्य देव रुपसिह जी महाराज कि प्रतिमा का अनावरण करने ,प्रतिमा अनावरण के बाद हुई सभा में क्षेत्रिय विधायक देवीलाल धाकड,व घुम्मकड़ विमुक्त जाति सगंठन के अध्यक्ष बाबुलाल बजारां ने अपने संबोधन में गरोठ जिला बनाने कि मांग कि,पर प्रदेश के मुख्यमत्रीं ने अपने संबोधन में यह कहा कि गरोठ प्यारा नगर में आऊंगा वहां फिर चर्चा करेंगे मतलब कोई ठोस आश्वासन भी नहीं देकर गये ओर एक बार फिर क्षेत्रवासियो के जिला बनने के मन्सुबो पर पानी फिर गया,अब विधानसभा चुनाव में 6 माह से भी कम समय बचा है और अब नहीं लगता कि म प्र सरकार गरोठ जिला बनाने कि घोषणा करेगी,बीते 31 सालों में केवल आश्वासन के अलावा इस क्षेत्र को कुछ हासिल नहीं हो पाया,वर्तमान विधायक देवीलाल धाकड ने भी कही बार पत्र लिखकर व प्रत्यक्ष मिलकर गरोठ को जिला बनाने कि मांग कि पर प्रदेश के मुखिया हमेशा कि तरह आश्वासन देकर चले गये कि अभी तो बजारां समाज के कार्यक्रम में आया हु जल्दी ही गरोठ आऊंगा,गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र के दोनों शासकीय अस्पताल को 100,100 बेड का अस्पताल करने कि घोषणा जरुर मंच से की पर इन दोनों जगह चिकित्सको का ही अभाव है और भानपुरा शासकीय अस्पताल तो काग्रेसं शासनकाल में 100 बेड के अस्पताल के साथ ही डायग्नोस्टिक सेन्टर बनकर लोकार्पित भी हो चुका था ओर लगभग सभी चिकित्सा उपकरण व सी टी स्कैन मशीन,सोनो ग्राफी मशीन सहित अन्य कई जाच मशीने आ चुकी थी वह इन बीते बीस सालों में लगभग सब यहां से जिला अस्पताल व अन्यत्र चली गई उस समय क्षेत्र के विधायक सुभाष सोजतिया स्वास्थ मत्रीं थे लगभग दस चिकित्सकों के पद भी यहां स्वीकृत हुए थे आज केवल डायग्नोस्टिक सेन्टर के नाम पर एक भवन रह गया हे प्राथमिक उपचार के अलावा यहां कोई इलाज ही नहीं होता,क्षेत्र वासियों का कहना हे कि पुर्व में स्वीकृत डायग्नोस्टिक सेन्टर को ही पुनर्जीवित कर विशेषज्ञ चिकित्सकों के पद भरे जावे,साथ ही मुख्य मत्रीं ने अपने इस दौरे में गाधीसागरं व बोलियां को नगर परिषद घोषित करने कि मांग पर सर्वे कराने का आश्वासन दिया हे ,मुख्यमत्रीं का विधानसभा क्षेत्र का यह दौरा केवल आश्वासन के अलावा कुछ नहीं दे पाया,उल्लेखनीय हे कि गरोठ को जिला बनाने कि घोषणा काग्रेसं कि दिग्विजय सिंह सरकार ने अपने कार्यकाल के अन्तिम समय में सन् 2003 में कर दी थी पर वह घोषणा मुर्त रुप ले उसके पहले कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई और बीते लगभग साढ़े 19 सालों से केवल 15 माह कि कमलनाथ कि कांग्रेस सरकार को छोडकर भाजपा शासन में हे ओर लगभग 15 सालों से शिवराजसिंह चौहान ही मुख्य मत्रीं हे ओर क्षेत्र में जनप्रतिनिधी भी लगातार भाजपा के हे ,ऐसे में गरोठ का जिला न बनना व कहीं मुलभुत सुविधाओं विशेषकर स्वास्थ कि उच्च व्यवस्था से वंचित रहना विचारणीय है,इसका प्रभाव आगामी विधानसभा चुनाव में जरुर पढ सकता हे ,गरोठ जिला बनाने के नाम पर कहीं बार आन्दोलन हुआ पर स्तिथि यथावत हे आज इस विधानसभा क्षेत्र के अन्तिम गावं कि दुरी जिला मुख्यालय मन्दसोर से 170 किलो मीटर दुर हे साथ ही गरोठ व भानपुरा नगर कि जिला मुख्यालय से दुरी क्रमश 105 व 130 किलो मीटर हे जिला मुख्यालय पर जाने आने में क्षेत्र वासियों का समय ओर पैसा बहुत लगता हे ,प्रदेश सरकार व स्थानीय जन प्रतिनिधी को चाहिए कि वह गरोठ को जिला बनाने कि घोषणा करवावें।

## किसान आंदोलन में हुए गोलीकांड की बरसी पर कमलनाथ करेंगे जनसभा





**माही की गूंज, मंदसौर।**

*किसान आंदोलन में हुए गोलीकांड की बरसी पर 6 जून को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पिपलिया मंडी में जनसभा करेंगे। जनसभा में बड़ी संख्या जुटाने केक लिए कांग्रेस ने ब्लॉक स्तर पर तैयारियां शरू की है।*

संगठन गतिविधियों की समीक्षा के लिए मल्हारगढ़ विधानसभा के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धूंधड़का की आवश्यक बैठक अफजलपुर के समीप स्थित ग्राम मारूखेडी महादेव मंदिर परिसर पर संपन्न हुई। जिला कांग्रेस प्रभारी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष अर्चना जायसवाल की उपस्थिति में संपन्न हुई बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने सहभागीता की। बैठक के दौरान संगठन पदाधिकारियों ने संगठन प्रमुखों से चर्चा करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को विजय दिलाने का संकल्प लिया। वही टिकट किसे भी मिले सब मिलकर कांग्रेस को जीतने की कसम भी जिला प्रभारी के सामने सभी उम्मीदवारों ने खाई।

जिला कांग्रेस प्रभारी अर्चना जायसवाल ने कहा कि कर्नाटक चुनाव ने देश में राजनैतिक माहौल परिवर्तित कर दिया है, यह सब राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के परिश्रम का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि जहां भी संगठन मजबूत होता है। वहां पार्टी विजय होती है।

इससे पूर्व बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन ने कहा कि इस बार जो हमारी सरकार बनेगी वह कार्यकर्ताओं की होगी। हमारे कार्यकर्ता लगातार प्रताड़ित हो रहे हैं। भाजपा और शासकीय कर्मचारियों के माध्यम से उन्हें परेशान किया जा रहा है। हमारी सरकार आने पर कार्यकर्ता की हर पीड़ा का हिसाब सूद सहित करेंगे।

# कलेक्टर ने चार रोजगार सहायकों की सेवा समाप्ति के आदेश जारी किए

## हितग्राही मूलक योजनाओं तथा शासकीय कार्यों में पायी थी वित्तीय अनियमिताएं

**माही की गूंज, खरगोन।**

कलेक्टर शिवराज सिह वर्मा ने जनपद सीईओ के जांच प्रतिवेदन व वस्तुस्थिति के आधार पर ग्राम पंचायत गोपालपुरा, रणगांव, कमोदवाड़ा और बांडीखार के रोजगार सहायकों की सेवा समाप्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। जांच प्रतिवेदन के आधार पर कमोदवाड़ा के रोजगार सहायक धमेन्द्र मीणा द्वारा हितग्राही के स्वीकृत आवास का कार्य अप्रारंभ होने के बाद भी अन्य हितग्राही मंग्लया नत्थु व योगेश पप्पू के खाते में द्वितीय एवं तृतीय किश्त के रूप में जियोटेक की कार्यवाही की गई। जबकि आवास योजना का जियोटेक ग्राम रोजगार सहायक द्वारा किया जाता है और इन्हीं के पास आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध होते हैं।

इसी तरह ग्राम पंचायत रणगांव के रोजगार सहायक राजेश नागवार द्वारा मनरेगा योजना के तहत मृत व्यक्ति के जॉब कार्ड नंबर 253 पर 9 मस्टर पर फर्जी तरीके से 10260 रूपये की राशि निकाली गई जबकि उक्त व्यक्ति के 26 नवंबर 2019 को मृत्यु हो चुकी हैं। जांच प्रतिवेदन में पाया गया कि मृत व्यक्ति को सुदूर सड़क कार्य के लिए 10200 रूपये की राशि का भुगतान होना पाया गया। इसके अलावा रोजगार सहायक द्वारा पीएम आवास ग्रामीण अंतर्गत वर्ष 202-22 के आवास लक्ष्य 25 के विरूद्ध अप्रारंभ आवास 10, प्लिंथ लेवल पर 8, तथा लिंटल लेवल 7 इस तरह प्रतिवेदन दिनांक तक एक भी आवास पूर्ण नहीं कराया गया। वहीं रोजगार सहायक श्री नागवार द्वारा मनरेगा योजना अंतर्गत वर्ष 2022-23 में 12366 मानव दिवस के विरूद्ध 1985 मानव दिवस ही सृजित किए गए जो कि मात्र 16 प्रतिशत ही है। साथ ही इनके द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने में रूचि न लेना तथा एकीकृत सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत विगत वर्ष में मृत हुए व्यक्तियों के बैंक खातों में जमा राशि की वसूली के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए किन्तु आज दिनांक तक प्रस्तुत नहीं किए गए है।

ग्राम पंचायत बांडीखार के रोजगार सहायक श्री दिनेश गोयल द्वारा हितग्राही मुलक कार्य खेत तालाब कार्य की लागत 3.32 लाख रूपये लंबाई चौड़ाई तथा गहराई के लिए 0.82 लाख रूपये है जबकि ग्राम पंचायत की क्रियान्वयन एजेन्सी द्वारा 1.48 लाख रूपये व्यय किया गया जो कि मुल्यांकन से 0.66 लाख रूपये अधिक आहरण की गई। इसी तरह इनके द्वारा दो प्रकरणों में खेत तालाब निर्माण के लिए भी 1.34 और 1.59 लाख रूपये की राशि का गबन किया गया। जबकि सार्वजनिक कुप निर्माण में भी 1.98 लाख रूपये तथा भुमिगत नाला डाईट कार्य के लिए 505716 लाख रूपये की राशि का गबन किया है। इस प्रकार कुल 12,33,716 रूपये की राशि गबन की गई जो कि इनसे वसूली की जाना प्रस्तावित है।

इसके अलावा एक अन्य प्रकरण ग्राम पंचायत गोपालपुरा के रोजगार सहायक नटवर यादव द्वारा पीएम आवास प्लस योजना के तहत वर्ष 2018 में उक्त हितग्राही के नाम जोड़ने की कार्यवाही की गई थी। जिस सथान पर वर्ष 2018 में साइड चिन्हांकित कर जीयोटैग कर आवास की स्वीकृति दी गई थी। उससे लगभग 1 किमी की दूरी पर रोजगार सहायक द्वारा द्वितीय किस्त के लिए पिंलथ का जीयोटैग किया गया। यह स्थान पिछले निरीक्षण में केपचर किए गए स्थान से मेल नहीं खाता है। रोजगार सहायक द्वारा पूर्व में भी जियोटेग की दूरी लगभग 1 किमी दूर होने के पश्चात भी जियोटैग की कार्यवाही की गई।

कलेक्टर श्री वर्मा ने इन चारों ही प्रकरणों में रोजगार सहायकों को राज्य शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं और शासकीय कार्यों में वित्तीय अनियमितता बरतने पर मप्र राज्य रोजगार गारंटी परिषद भोपाल के पत्र की कण्डिका 15 ( 2 ) के प्रावधानों के अंतर्गत संविदा सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त की है।

# मुख्यमंत्री कन्या सामुहिक विवाह अंतर्गत 159 जोड़ों का हुआ विवाह सम्पन्न

**माही की गूंज, खरगोन।**

मुख्यमंत्री सामुहिक कन्या विवाह योजनांतर्गत मंगलवार को कसरावद कृषि उपज मण्डी में 159 जोड़ों का सामूहिक विवाह आयोजन हुआ। निकाय द्वारा भोजन व्यवस्था, टेंट व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, मंच व्यवस्था एवं गायत्री परिवार द्वारा विवाह सम्पन्न कराया गया। योजनानुसार जोड़ों के बैंक खाते में 49 हजार रूपये प्रति जोड़े को राशि प्रदान की जाएगी। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में खरगोन-बड़वानी सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुबाई तवर, कसरावद विधायक सचिन यादव, पूर्व विधायक आत्माराम पटेल, श्रीमति विमल राजेन्द्र सिह यादव, नगर परिषद अध्यक्ष, सारिका राजेष बागदरे अध्यक्ष जनपद पंचायत, विवाह समिति के सदस्यगण, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शिराली जैन एसडीएम अग्रिम कुमार, तहसीलदार एव नायब तहसीलदार मुख्य नगर पलिका अधिकारी, जनपद पंचायत सीइओ, आगनवाडी कार्यकर्ता, नगरपरिषद के कर्मचारी समस्त पार्षदगण के तत्वाधान में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

# कलेक्टर ने की शासकीय योजनाओं की समीक्षा

**माही की गूंज, बड़वानी।**

कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग ने बुधवार को जनपद पंचायत पाटी के सभागृह में आयोजित बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन एवं मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों के निराकरण के संबंध में समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सीएम हेल्प लाईन की समीक्षा के दौरान समस्त अधिकारियो को निर्देश दिये कि अपने-अपने विभागो में प्राप्त शिकायतो का त्वरित रूप से निराकरण करें, अन्यथा उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान उन्होने मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु भी अधिकारियों को निर्देशित किया उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत हितग्राहियों को 67 सेवाओं का लाभ दिया जाना है जिनमें से कुछ सेवाएं तो ऐसी है जिनको की हितग्राही के आवेदन के साथ ही त्वरित रूप से निराकरण कर स्वीकृति पत्र प्रदान किया जा सकता है। अतः सभी जिला अधिकारी अपने विभाग के सेवाओं से संबंधित आवेदनों को गंभीरता से लें एवं अधिक से अधिक निराकरण करें।

### पाटी तहसील की विभिन्न ग्राम पंचायतों के निरीक्षण के लिए कलेक्टर ने भेजा जिला अधिकारियों को

बैठक के पश्चात कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग ने पाटी तहसील की 47 ग्राम पंचायतों में निरीक्षण के लिए जिला अधिकारियों की ग्राम पंचायत वार नामजद ड्यूटी लगा कर जानकारी प्राप्त करने एवं निरीक्षण हेतु भेजा। इस दौरान कलेक्टर ने बताया कि अधिकारी जब ग्राम पंचायत में निरीक्षण के लिए जाएंगे तो वह ग्रामीणों से यह जानकारी प्राप्त करेंगे कि ग्रामीणों को राशन एवं पेंशन मिल रही है या नहीं, पात्र ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड बने हैं या नहीं, साथ ही ग्रामीणों के भूमि के नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के प्रकरणों का निराकरण एवं स्थिति तथा गांव में विद्युत, पेयजल एवं पशु चारा की उपलब्धता, शासकीय भवनों की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

# 11 वें दिन मशीन और श्रम से निकाली 28 टन जलकुम्बी

## कुन्दा नदी की सफाई में पहली बार कोई संगठन आगे आया

**माही की गूंज, खरगोन।**

*मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता संकल्प महाअभियान के तहत कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा के मार्गदर्शन में 7 मई से प्रारम्भ हुआ कुन्दा नदी सफाई बुधवार को भी निरंतर जारी रहा। 11 वें दिन चले अभियान की ख़ासियत कई मायनों में अलग रही है। कुन्दा अभियान में सफाई के लिए पहली बार श्रमदान के साथ साथ मशीनों का भरपूर उपयोग किया गया। बुधवार को श्रम विभाग और खनिज विभाग के स्टॉप ने श्रमदान किया। इसके अलावा इस अभियान में पहली बार कोई संघठन बड़ी संख्या में नदी सफाई के लिए नदी में उतरा।*

यहां तकरीबन 100 लोगों में विभाग के अमले के अलावा क्रेशर मशीनरी, रेत ठेकेदार और रेत व्यापारी संघ ने श्रमदान किया। इसके अलावा 8 जेसीबी, 7 ट्रेक्टर और 6 डंपर भी नदी में उतरे। 5 जेसीबी तो गहरीकरण कार्य में 9 बजे के बाद भी शाम तक कार्य करती रही। रेत व्यापारी संघ का नेतृत्व करते हुए खनिज अधिकारी सावन चौहान ने बताया संघ के साथ एक अलग कार्ययोजना पर कार्य कर रहे हैं। जो आगामी समय में अमल में लाया जा सकता है। श्रमदान में खनिज निरीक्षक रीना पाठक, आरती गीते, नीतू तावड़े, प्रभारी श्रम अधिकारी मनोज डुडवे, निरीक्षक सुदीप अलावा, ठेकेदारों में समृद्ध मुच्छाल, अमित भावसार, बँटी मैना, आशोक मैना, शुभम जायसवाल, मनोज राठौड़, आशीष जायसवाल, सुमेर, मदन चौहान, गोटू गौड़, ईश्वर माली, हेमंत गुप्ता, इमरान भुट्टो, दीपक उपाध्याय और कई ठेकेदारों का स्टाफ़ भी शामिल हुआ।

10 दिनों में 10.56 टन निकाली जलकुम्बी, 11 वे दिन 28 टन

कुन्दा सफाई अभियान में 11 वे दिन हुए सफाई कार्य की सफलता इस बात से भी लगाया जा सकता है कि बुधवार को 28 टन जलकुम्बी और 3 टन सूखा कचरा निकाला गया। नगर पालिका के स्वास्थ्य अधिकारी श्री प्रकाश चित्ते ने जानकारी देते हुए बताया कि 7 मई से 16 मई तक जलकुम्बी व गीला कचरा 10.46 टन और सूखा कचरा 0.909 टन कचरा निकाला गया। नदी में जेसीबी के उतरने के बाद नजारा युद्धस्तर पर हो रही सफाई से लगा रहा था। सम्भवतः यह पहली बार ही होगा जब इतनी संख्या में मशीनें एक साथ सफाई के लिए उतारी गई हो।

## कुन्दा नदी सफाई अभियान में दिखा युद्धस्तर सा नजारा

# एनटीपीसी और मुंदी प्लांट से निकलने वाली राख के परिवहन के लिए दूसरे दौर की वार्ता सफल

## अब केवल रात में ही परिवहन होगी राख

**माही की गूंज, खरगोन।**

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा और पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने मंगलवार को एनटीपीसी और संत सिंगाजी पॉवर प्लांट से निकलने वाली राख के व्यवस्थित परिवहन, ओवर लोडिंग और दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बैठक आयोजित की। बैठक में प्लांट के अधिकारी, सीमेंट्स कंपनी और ट्रांसपोर्टस के प्रतिनिधि मौजूद रहे। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि आम नागरिकों को भारी वाहनों से आवागमन में समस्या न हो। साथ ही ओवर लोडिंग होने से कई दुर्घटनाएं हुई है। इन्हें रोकना आप लोगों का भी कर्तव्य है। इसलिए निर्धारित समय के साथ ही वाहन निकाले। एसपी श्री सिंह ने कहा कि अब रात 9 बजे से सुबह 7 बजे के बीच ही निर्धारित भार के साथ ही निकालें। साथ ही फिटनेस पर भी आवश्यक रूप से जांच की जाएगी। इसके अलावा वाहन के साथ हेल्पर भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहे। वही प्रशिक्षण और मेडिकल जांच भी की जाएगी। साथ ही हाइवा की ओवर हाइट भी कांटी जाएगी। ज्ञात हो कि दूसरे दौर की इस बैठक में राख के सम्बंध में सभी अधिकारी उपस्थित रहे। आवश्यक होने पर जिले में 5 स्थानों पर इनके पार्किंग स्थल चयन पर भी विचार किया जाएगा। बैठक में दुर्घटनाएं रोकने, फिटनेस युक्त वाहन और सड़कों को ओवर लोडिंग से बचाने पर निर्णय लिए गए।

बैठक में एनटीपीसी के जीएम मनदीप सिंह भाटिया, संत सिंगाजी पॉवर प्लांट के आरके पांडे, पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री विजय सिंह पंवार, बड़वाह एसडीओपी विनोद दीक्षित, बेड़िया टीआई गोयल, सनावद टीआई रोमड़े, यातायात प्रभारी दीपेंद्र स्वर्णकार व वण्डर सीमेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट तथा ट्रांसपोर्ट कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# कलेक्टर ने 12 पशु चिकित्सा की चलित इकाई को दिखाई हरीझंडी

**माही की गूंज, खरगोन।**

108 एम्बुलेंस सेवा की सफलता के बाद अब पशुओं के घर पर ही उपचार के लिए पशु चिकित्सा इकाई का शुभारम्भ किया गया है। मंगलवार को कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने जिले की 12 पशु चिकित्सा इकाई की एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। ये 12 एम्बुलेंस जिले की सभी जनपदों में 1-1 रहेगी। जबकि जिला मुख्यालय खरगोन पर 2 और बड़वाह व झिरन्या जनपद बड़े होने के कारण यहां भी 2-2 एम्बुलेंस उपलब्ध रहेगी। घर पर पशु का उपचार के लिए मात्र 150 रुपये प्रदान करने होंगे।

### चलित पशु चिकित्सा इकाई में डॉक्टर और सहायक भी उपलब्ध रहेगें

पशु चिकित्सा विभाग के डॉ. एचसी पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि एम्बुलेंस में आवश्यक दवाइयों के अलावा सर्जरी के लिए उपयोगी सभी उपकरण उपलब्ध रहेंगे। चलित वाहन में एक डॉक्टर, एक सहायक डॉक्टर और वाहन चालक सह अटेंडर भी उपलब्ध होगा। इसके उपयोग के लिए किसी भी संस्था या किसान को 1962 नम्बर डायल करना होगा। जो सीधे भोपाल पर अटेंड किया जाएगा। भोपाल से सम्बंधित किसान या संस्था को व चिकित्सालय को मैसेज किया जाएगा। साथ ही जीपीएस लोकेशन भी भेजी जाएगी। उपचार सेवा के बाद किसान को 150 रुपये देने होंगे।

# मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत इन ग्रामो में लगेंगे शिविर

**माही की गूंज, बड़वानी।**

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान द्वितीय चरण के तहत जिले में भी 18 मई को जनपदो में ग्राम पंचायतवार एवं नगर परिषदो में शिविरो का आयोजन किया जायेगा। अभियान के दौरान बनाये गये नोडल अधिकारियो व शिविर प्रभारियो के साथ पटवारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, सचिव, जीआरए के दल का गठन किया है। गठित दल के सदस्य केन्द्र व राज्य सरकार की 67 योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियो से आवेदन लेकर लाभान्वित करेंगे ।

### इन स्थानो पर लगेंगे शिविर

जनपद पंचायत बड़वानी की ग्राम पंचायत रातड़ियामाल, केली, जाडाखाउ, उटावद, लोनसरा बुजुर्ग, तलुन बुजुर्ग, कालाखेत, आमल्यापानी, कुकरा, अमलाली, चारणखेडा, धाबाबावड़ी में।

जनपद पंचायत पाटी की ग्राम पंचायत बमनाली, मेधा, बेडीफतला, आम्बी, भादल, गंधावल, लिम्बी, हरला, बोकराटा, पलवट, डाबरी, गाताबारा, हाटबावड़ी, सिंधी, रूनकईपीठा, शिवनी, घुघसी, चिपाखेडी, भानिजकुण्ड, मेडकीमाल, आवली, डोगरगांव, कालाखेत, पचगांव, टपकला, मुवासवाडा, भैसारी, टापर, सिपाईदुवाली, मोरानी, कण्ड्रावन, झरार, वेरवाडा, ठेगन्चा, जुनाझिरा, बेडदा, देरवालिया, चारपाटिया, कदवालिया, नेवा, चंदनदेवी, डोगल्याखोदरा, उबादगढ, कुली में ।

जनपद पंचायत सेंधवा की ग्राम पंचायत पिसनावल, गोई, कमोदवाडा, नवलपुरा, आंछली, शिवन्यापानी, कुमठाना, धावडा चा, रावल्यामाल, कामोद चा, चिखली ब, मेंदल्यापानी, कालबेडी, चिचआमली, बेलघाट, पांजरिया ध, बिल्वा में।

जनपद पंचायत पानसेमल की ग्राम पंचायत केवडी, पाडल्या, जलगोन, मेलन, तिल्लीखेत, राखीखुर्द, कुंजरवाडा, पिपरानी, बेहडिया, सकराली बुजुर्ग, भडगोन, घरडगांव, भातकी, करणपुरा, मनकुई, रायचुल, मोगरापानी, राजपुरा, खडखम, खोडामोहाली, माण्डवी, कालाअम्बा, चिखल्दा, मेन्द्राणा, रामपुरा में ।

जनपद पंचायत राजपुर की ग्राम पंचायत गोनपुरा, सांगवीठान, उपला, गव्हा, निलकण्ठ, कुसमरी, राजपुर रेवेन्यु, सालीकला, बालसमुद, ठान, दमदमी, सिदडी, उंची, भुलगांव, मुण्डला, टेमला बुजुर्ग, रानीपरा, रोझानी, मातमूर, नंदगांव, निहाली, हलदड, लिंगवा, जलगोन, बोराली, इन्द्रपुर, बुदरा, अगलगांव, टाकली, मोरगुन, मोजालीबुजुर्ग, पाडला में ।

जनपद पंचायत ठीकरी की ग्राम पंचायत गोलाटा, झोलपीपरी, बडदा दतवाडा, मण्डवाडा, साकड, पिछोला, बावडिया, फत्यापुर उचावद, तलवाडाडेब, हरिबड, हरणगांव, सेमल्दाडेब, लोहारा, मेहगांवडेब, कपाल्याखेडी, बडगांव, बंजारी, बिल्वाडेब, हतोला, घटटी, देवला, दवाना में ।

जनपद पंचायत निवाली की ग्राम पंचायत भुलगांव, राजमलीवन, खाम्पानी, बडगांव, चाटली, भैसदड में शिविर लगाये जायेंगे।

### इन स्थानों पर लगेंगे शिविर

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान द्वितीय चरण के तहत 18 मई को नगर पालिका बड़वानी के वार्ड क्रमांक 01 से 05 नवलपुरा हनुमान मंदिर के पास, वार्ड क्रमांक 04 से 10 सेंट मेरी स्कूल के सामने, वार्ड क्रमांक 06 से 09 रोटरी हाईस्कूल के पास, वार्ड क्रमांक 11 से 15 मायरिया चैक, वार्ड क्रमांक 16 से 19 चंचल चैराहा, वार्ड क्रमांक 20 से 24 पाटी नाका में, नगर पालिका सेंधवा के वार्ड क्रमांक 02 एवं 04 किले के पीछे मण्डी शेड, वार्ड क्रमांक 05 एवं 08 पुरानी नगर पालिका परिषद, वार्ड क्रमांक 17, 20, 21 भोई समाज मंच रामकटोरा, वार्ड क्रमांक 19 व 22 आंगनवाडी भवन खतरी जमातखाना में, नगर परिषद अजड़ के वार्ड क्रमांक 06 गायबेडा पानी की टंकी के पास, नगर परिषद पानसेमल के वार्ड क्रमांक 05, 08, 09 बाणारिया धर्मशाला के पास, नगर परिषद खेतिया के वार्ड क्रमांक 06 से 08 चावडी भवन, नगर परिषद पलसूद के वार्ड क्रमांक 09 एवं 10 तहसील टप्पा कार्यालय भवन में, नगर परिषद निवाली के वार्ड क्रमांक 06 से 08 राठौड धर्मशाला के पास, नगर परिषद ठीकरी के वार्ड क्रमांक 04 से 06 पुराना पंचायत भवन में शिविर लगाया जायेगा

# चंद्रशेखर आजाद नगर में मनाया गया जिले का स्थापना दिवस

## आलीराजपुर जिला संघर्ष की गाथा है - श्री डावर

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

चंद्रशेखर आजाद नगर में अलीराजपुर जिले के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में वन विकास मंडल अध्यक्ष, केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त माधवसिंह डावर ने आलीराजपूर जिले के स्थापना दिवस को गौरव दिवस बताते हुए कहा कि, आलीराजपूर जिला बनना संघर्ष की गाथा हैं। आलीराजपूर जिले के साथ-साथ कुक्षी जिला बनाने के सैद्धांतिक कवायद में शामिल था लेकिन आलीराजपुर संघर्ष समिति एवं प्रदेश में भाजपा की सरकार के चलते आलीराजपुर जिला बना। आज छोटे जिले के रूप में आलीराजपुर जिला ÷छोटा परिवार-सुखी परिवार की तर्ज पर चल रहा हैं। हमें हर क्षेत्र में चहुंमुखी विकास देखने को मिल रहा हैं। जिसका श्रेय क्षेत्र की जनता के साथ-साथ प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को जाता हैं।

नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमति निर्मला डावर ने कहा कि, आलीराजपूर का जिला बनना हमारा सौभाग्य रहा जो आज विकास की गति बनाएं हुए हैं। मंडल अध्यक्ष मनीष शुक्ला ने अलीराजपुर जिले के स्थापना दिवस पर सभी को बधाई देते हुए क्षेत्र के विकास में अपना अमूल्य योगदान देने की बात कही। प्रशासन की ओर से एसडीएम सुश्री जानकी यादव ने कहा कि, रियासत से प्राप्त पहचान अविभाजित आलीराजपूर-झाबुआ जिले के समय दबी पड़ी थी जो आलीराजपूर जिला बनने के बाद विकास के रूप में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बिजली, सड़क के क्षेत्र में देखने को मिली। तहसीलदार जितेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि, बड़े गौरव का विषय हैं की आलीराजपूर जिला बना जिससे जिले के प्रशासनिक व समग्र विकास में सहुलियत हुई। जिला बनने से आलीराजपूर में शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी दोगुना उन्नति हुई। बीईओ विनोद कुमार कोरी ने क्षेत्र के विकास के लिए अलीराजपुर जिला बनने की सार्थकता बताई।

टाउन हॉल में सभा से पहले नगर पंचायत से टाउन हॉल, बस स्टेंड तक वन विकास मंडल अध्यक्ष माधव सिंह डावर एवं नगर पंचायत अध्यक्ष निर्मला डावर के नेतृत्व में अधिकारी,कर्मचारियों द्वारा पैदल गौरव रैली का आयोजन किया गया। सभा समाप्ति के पश्चात नगर पंचायत की ओर से स्ल्पाहार का वितरण किया गया।

कार्यक्रम का संचालन उत्कृष्ट विद्यालय संस्था प्राचार्य निलेश शाह द्वारा किया गया। आभार नगर पंचायत की ओर से सीएमओ इकबाल मनिहार ने माना।

# तीन युवाओं ने 45 दिन में 1400 किमी की पैदल यात्रा पुरी कर किये केदारनाथ के दर्शन

### केदारनाथ की घाटी में लहराया कुंदनपुर अमझेरा का झंडा

**माही की गूंज, अमझेरा। विक्रमसिंह राठौर**

कहते है कि कुछ किये बिना जय जयकार नहीं होती और कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती एक ऐसी ही कोशिश अमझेरा के तीन युवाओं की जिसमें उन्हौने सफलता प्राप्त करते हुए 1400 किमी की कठिन और दुर्गम पैदल यात्रा 45 दिन में तय बाबा केदारनाथ भगवान के दर्शन कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। युवकों में राज साल्वी पिता जगदीशचंद्र 23 वर्ष, महिपालसिंह पिता दिलीपसिंह चावड़ा उम्र 23 राजपुरा एवं पंकज पिता सुंदरलाल कुशवाह उम्र 26 वर्ष जिनके द्वारा एक संकल्प लिया गया था कि पैदल ही बाबा केदारनाथ के दर्शन करना है और तीनो युवक अपने इस संकल्प को पुरा करने के लिए अमझेरा से 2 अप्रैल को पैदल निकल गये थे तथा रास्ते की तमाम कठिनाइयों और दुर्गमताओं को सफलतापूर्वक पार करते हुए केदारनाथ पहुँच गये। इसके पूर्व भी यहाँ के पाँच युवाओं ने 900 किमी की पैदल यात्रा हरिद्वार से अमझेरा तक की है जो गंगाजल लेकर कावड़ यात्रा के रूप में अमझेरा पहुंचे थे।

# सूरज अंगारे बरसा रहा, तापमान में भारी उछाल

## घरों से बाहर निकलना मुश्किल हुआ

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

क्षेत्र में इन दिनों आसमान से मानो अंगारों की बरसात हो रही है सूरज की तपन तथा लू के थपेड़ों ने सड़क पर निकलना मुश्किल कर दिया है, बाजारों में भीड़ शादी-विवाह के समान खरीदारों के कारण जरूर देखी जा रही है मगर दोपहर बाद कस्बे में सन्नाटा पसरा पसर रहा है।

जानकारी के अनुसार पिछले हफ्ते तक क्षेत्र में असमय हो रही बारिश, आंधी, तूफान का रहा, जिस कारण तापमान में भारी गिरावट देखी गई थी मगर अब हालात बदले हे गीली जमीन पर तेज धूप के कारण उठती उमस के कारण गर्मी बढ़ी है उसी के साथ साथ क्षेत्र में तेज लू-लपट का कहर भी महसूस किया जा रहा है चुंकि अभी ग्रामीण क्षेत्रों में शादी विवाह का दौर चल रहा है जिसके लिए ग्रामीण शहरों कस्बों की और खरीदी हेतु आ रहे हैं इनके कारण सुबह से दोपहर तक भारी भीड़ रहती है मगर दोपहर बाद जैसे ही ग्रामीणों की भीड़ हटती है बाजारों में सन्नाटा पसरने लगता है लोगों को घरों में घुसना पड़ रहा है पंखे कूलर आदि की बिक्री तथा उपयोग बड़ा है बता दें कि क्षेत्र में तापमान लगभग 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिनभर तेज लू के थपेड़े और रात में उमस से लोग परेशान हो रहे हैं, मरीजो की संख्या में इजाफा हो रहा है जिस कारण अस्पतालों, निजी क्लिनिकों में भीड़ बढ़ने लगी है यही स्थिति आगामी दिनों में और अधिक भयावह हो सकती है।

# कन्या स्कूल में हुई चोरी का किया पर्दाफाश, दो आरोपियों के साथ चुराया गया माल बरामद

**माही की गूंज, अलीराजपुर**

शासकीय कन्या उ.मा.वि.जोबट के प्राचार्य श्रीमती दुर्गावतीसिंह द्वारा थाना जोबट मे सूचना दि गई थी, कि 12 मई की दरमियानी रात्रि मे अज्ञात चोरो ने कार्यालय शा.कन्या उ.मा.वि.जोबट के प्राचार्य कक्ष का ताला तोडकर 2 कम्प्युटर सेट, 1 प्रिटर, माउस, इन्टरनेट, सेटअप बाक्स एवं फुल साईज 32 इंच की स्मार्ट टी.वी स्पीकर सहित सामान चुरा कर ले गये थे। जिसकी सूचना पर थाना जोबट में अप.क्र. 229/2023 धारा 457,380 भादवि. का अज्ञात आरोपी के विरूद्ध पंजीबध्द कर अनुसंधान में लिया गया तथा घटित घटना के अज्ञात आरोपियों की धरपकड हेतु अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जोबट नीरज नामदेव के पर्यवेक्षण मे थाना प्रभारी जोबट निरीक्षक विजय देवडा के अधीनस्थ टीम का गठन किया गया।

एसडीओपी नीरज नामदेव के द्वारा गठित जोबट पुलिस टीम के द्वारा अज्ञात आरोपियों की पतारसी हेतु गंभीरता से प्रयास करने के परिणामस्वरूप 17 मई को मुखबीर से सूचना मिली कि, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जोबट में चोरी करने वाले अज्ञात बदमाश कस्बा जोबट में ही रहते है, जिस पर पुलिस टीम के द्वारा मुखबीर द्वारा बताये गये स्थान से दो व्यक्तियों से पूछताछ कि गई, जिनके द्वारा जोबट कन्या स्कूल की वारदात करना स्वीकार किया गया। जोबट पुलिस टीम के द्वारा गिरफ्तार दोनों आरोपियों से उक्त अपराध में चोरी किया गया सामान दो कम्प्यूटर, एक प्रिन्ट व एक सेटअफ बाक्स तथा एक एलईडी., दो स्पीकर छोटे इस प्रकार कुल किमती 1 लाख 32 हजार रूपये का चोरी हुआ सामान जप्त किया। दोनों आरोपियो को जोबट पुलिस द्वारा माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से माननीय न्यायालय द्वारा जेल भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरी. विजय कुमार देवडा, उनि शंकरसिह जमरा, आर. 453 मनीष व आर.523 चेनसिह आर.122 लेखराम आर.74 गजेन्द्र की अहम भूमिका रही है।

# पशुपति व्रत धारियों का शिव मंदिर में तांता लगा

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

प्रसिद्ध शिव कथा प्रवक्ता पंडित श्री प्रदीप मिश्रा द्वारा शिव पुराण में वर्णित विभिन्न उपायों को व्यास पीठ से बताए जाने के बाद शिवभक्त स्त्री-पुरुष सभी जिनकी कोई मनोकामना होती है वह पांच सोमवार पशुपति भगवान शिव का उपवास कर अपनी मनोकामना पूर्ण करने की प्रार्थना करते हैं।

इन दिनों ऐसे अनेक मनोकामना पूर्ण होने की आशा तथा शिवजी पर विश्वास रखने वाले विशेषकर महिलाएं सदुरु पंडित श्री प्रदीप जी मिश्रा सीहोर वाले के मुखारविंद से व्यास पीठ पर शिव महापुराण कथा के दौरान बताए जाने वाले विभिन्न उपायों में से पारिवारिक सुख शांति रुके हुए कार्यों को गति प्रदान करने एवं विभिन्न मनोवांछित कामनाओं की पूर्ति हेतु पांच सोमवार पशुपतिनाथ के उपवास किए जा रहे हैं जिसके लिए सुबह-शाम शिवालयों में भारी भीड़ देखी जा रही है। हालांकि यह भीड़ प्रतिदिन एक लोटा जल चढ़ाने हेतु रहती है, जिनमें नन्हे स्कूल जाने वाले बाल शिव उपासकों के साथ बड़े भी शिवालयों में कतार लगाकर जल चढ़ा रहे हैं।

# टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शिविर का हुआ आयोजन

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

आदरणीय कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन तथा सी एम एच ओ डॉ प्रकाश ढोके और जिला क्षय अधिकारी डॉ संतोष के मार्गदर्शन में अलीराजपुर जिला स्थापना दिवस के अवसर पर सोण्डवा ब्लॉक के दूरस्थ क्षेत्रों में टी बी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत ग्राम मधुपल्लवी, ग्राम उन्दरी और रोशिया में शिविर का आयोजन किया गया जिसमे 112 मरीजों का परिक्षण कर 52 टी बी संभावित मरीजों का एक्स-रे किया गया तथा 63 मरीजों की स्पुटम जाँच की गई।

मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ विजय बघेल ने बताया की शिविर का आयोजन पुरे सप्ताह चलाया जाएगा जिसमे निःशुल्क एक्स-रे और खँखार जांच की सुविधाएँ उपलब्ध रहेगी।

साथ ही आज अलीराजपुर गौरव दिवस के अवसर पर सीएचसी सोण्डवा में समस्त अधिकारी कर्मचारियों एवम् आमजन का स्वास्थ्य परीक्षण डॉ विमल, डॉ आदित्य, डॉ विजय मुकाती, डॉ शीतल और डॉ दर्शिता द्वारा किया गया। इस अवसर पर अस्पताल में भर्ती माताओं और परिजनों को चिकित्सकों द्वारा फल बाँटे गए।

# कर्नाटक चुनाव परिणाम मध्यप्रदेश में भाजपा के लिए खतरे की घंटी...

माही की गूंज, संजय भटेवरा

कर्नाटक और मध्य प्रदेश की राजनीति में जमीन आसमान का अंतर होते हुए भी कुछ समानताए है। मतलब गत चुनाव में कर्नाटक की ही भांति मध्यप्रदेश में भी किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था, तो कर्नाटक में कांग्रेस ने जनता दल (एस) के कुमार स्वामी को समर्थन दिया था तो मध्यप्रदेश में निर्दलीय और बसपा विधायक के साथ खुद कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। लेकिन दोनों ही प्रदेशों में कांग्रेस और भाजपा कि, मैनेजमेंट राजनीति का शिकार हो गई और दोनों ही प्रदेश में भाजपा ने सरकार बना ली थी। जिन विधायकों ने अपनी पार्टी से इस्तीफा दिया बाद में उनमें से अधिकतर कमल के फूल चुनाव चिन्ह पर विजय हो गए और भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बन गई। कर्नाटक में तो अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद हुए चुनाव में भाजपा को मुंह की खाना पड़ी है, पार्टी बदलकर सत्ता सुख प्राप्त करने वाले अधिकतर विधायक को जनता ने घर बिठा दिया है अब सभी के मन में एक ही प्रश्न है क्या कर्नाटक का इतिहास मध्यप्रदेश में दोहराया जाएगा...?

कर्नाटक में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और अनेक केंद्रीय मंत्रियों के धुआंधार प्रचार के बावजूद जनता ने डबल इंजन की सरकार को नकार दिया और प्रधानमंत्री के कांग्रेस मुक्त भारत के विपरीत दक्षिणी राज्यों को भाजपा मुक्त कर दिया। जहां तक मध्य प्रदेश की सरकार का सवाल है तो चुनाव में अभी करीब 6 महीने का वक्त है, लेकिन दोनों ही पार्टियों ने अभी से तैयारियां आरंभ कर दी है। दलबदल का खेल भी शुरू हो चुका है। प्रारंभिक रुझान में दलबदल में कांग्रेस आगे दिखाई दे रही है, भाजपा के संस्थापक सदस्यों में रहे पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के पुत्र और शिवराज सरकार में मंत्री रहे दीपक जोशी ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया और आरोप लगाया कि, कर्नाटक में तो 40 प्रतिशत कमीशन की बात हो रही लेकिन यहां तो 80 प्रतिशत कमीशन लिया जा रहा है। उनका आरोप अफसरशाही को लेकर रहा है और शिवराज सरकार में अफसरशाही को लेकर अक्सर न केवल विपक्षी बल्कि भाजपा नेता भी आरोप लगाते रहे और समय रहते अगर अफसरशाही पर लगाम न लगाया गया तो मध्यप्रदेश को कर्नाटक बनते देर नहीं लगेगी।

### विकास बनाम बजरंगबली, बजरंगदल

भाजपा यह कहती रही कि विकास की राजनीति भाजपा करती है, लेकिन कर्नाटक चुनाव में प्रचार के दौरान अपने मुद्दे को बदल दिया। कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल बजरंगदल पर प्रतिबंध को भाजपा ने बजरंगबली से जोड़कर धार्मिकता के आधार पर जनता को वोट करने की अपील की, जिसे जनता ने एक सिरे से नकार कर भाजपा को करारा जवाब दिया।

### महंगाई और भ्रष्टाचार

आम जनता महंगाई और भ्रष्टाचार पर चर्चा चाहती थी, जिसे भाजपा ने धर्म और बजरंगबली से जोड़कर अपना पल्ला झाड़ने की कोशिश की। महंगाई और भ्रष्टाचार पर सरकार की चुप्पी ने जनता को आक्रोशित कर दिया और जनता ने डबल इंजन की सरकार को नकार दिया।

### मध्यप्रदेश में आगे क्या...?

मध्यप्रदेश में सतही तौर पर तो भाजपा मजबूत दिखाई दे रही है, लेकिन अंदर ही अंदर असंतोष की ज्वाला भी भभक रही है और यह असंतोष विस्फोटक भी हो सकता है। यहां भाजपा में ही तीन गुट सक्रिय है सिंधिया समर्थक विधायकों को भले ही उपचुनाव में भाजपा ने सरकार बचाने की शर्त पर स्वीकार कर लिया, लेकिन इस बार चुनाव में स्वीकारेंगे इसमें संदेह है। यही नहीं भाजपा में अनुभवी व सीनियर नेता भी पार्टी में अपने आप को असहज महसूस कर रहे हैं और उनकी असहजता भी मौके के इंतजार में नई भाजपा और पुरानी भाजपा में वैचारिक मतभेद पैदा हो चुका है। चुनाव की घोषणा और टिकट वितरण में सामने आ सकता है। जहां तक कांग्रेस का सवाल है वो वेट एंड वॉच की स्थिति में है और छीके के टूटने का इंतजार कर रही है छीके के टूटने पर वो छीके को लपकने में देर नहीं करेगी। कुल मिलाकर कांग्रेस अभी बहुत कुछ करने की स्थिति में तो नहीं है, लेकिन अपने संगठन को मजबूत कर चुनाव में बहुत कुछ कर सकती है। अब देखना है कि, मध्य प्रदेश का चुनाव भूख, भय, भ्रष्टाचार, विकास, महंगाई जैसे मुद्दे पर लड़ा जाएगा या कोई अन्य सामयिक मुद्दे पर लड़ा जाएगा।

# अतिक्रमण को लेकर कोई ठोंस कार्य योजना की आवश्यकता

## प्रशासन करता आ रहा ढकोसला, अधिकारी गरीबों के गले नख देकर करते है खानापुर्ति

केवल बस स्टेंड के आसपास ही घूमती नजर आ रही नगरपालिका और प्रशासन की अतिक्रमण मुहिम।

ठेला लगाकर जीवन यापन करने वालों को ही बनाया जा रहा निशाना।

**माही की गूंज, झाबुआ।**

जिला मुख्यालय पर अतिक्रमण की एक बड़ी समस्या हमेशा से ही रही है, लेकिन इस समस्या से अब तक नगरपालिका प्रशासन और जिला प्रशासन पार पाने में नाकाम ही साबित हुआ है। इसका मुख्य कारण यह है कि, नगरपालिका और जिला प्रशासन के पास अब तक भी कोई ठोंस कार्य योजना अतिक्रमण मुक्त शहर को लेकर नहीं है। अब इसे अधिकारयों की कोताही कहें या माथा उतारनी, लेकिन जब भी यह सिर फिरे अधिकारी नगर में अतिक्रमण हटाओ मुहिम लेकर निकलते, सिर्फ और सिर्फ गरीबों के गले नख देने का ही काम करते। इन निठल्ले अधिकारियों में इतना हौंसला और हिम्मत नहीं है कि, वह शहर के स्थाई रूप से हुए पक्के अतिक्रमण को हटा सके। इसलिए गरीबों के हाथ ठेले हटवाकर जिला प्रशासन अपनी ही पीठ थपथपा लेता है। ऐसा नहीं है कि, जिला मुख्यालय पर किसी तरह का कोई पक्का और स्थाई अतिक्रमण नहीं है, लेकिन निठल्ले अधिकारी या तो हिम्मत नही जुटा पाते या अतिक्रमणकर्ता उनकी जेबे गरम कर देते है।

यह भी प्रत्यक्ष प्रमाण है कि, जब भी नगरपालिका और जिला प्रशासन यह अमला नगर में अतिक्रमण हटाने निकलता है, हमेशा ही इस पर भेदभाव के आरोप लग जाते है। हालांकि यह हकीकत भी है। पिछले दिनों नगरपालिका और प्रशासन ने मिलकर नगर में दो दिन अतिक्रमण हटाओ मुहिम चलाई जरूर मगर प्रशासन और नगरपालिका की यह मुहिम बस स्टेंड से शुरू होकर विजय स्तम्भ तक ही पूरी हो जाती है। महज गरीबों को डरा-धमका कर अधिकारी हाथ ठेले हटवा कर कर्तव्य की इतिश्री कर रवानगी ले लेते मगर जिला प्रशासन और नगरपालिका शहर के मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाने के लिए जैसे जाना ही नहीं चाहता। मुख्य बाजार की दयनीय स्थिति जग जाहिर है जहां से दो पहियां वाहन तो दूर पैदल निकल पाना भी मुश्किल है। ऐसा भी नहीं है कि, इस समस्या का समधान नहीं हो सकता जरूरत है तो सिर्फ इच्छा शक्ति की। अगर प्रशासन सही तरीके से कार्य योजना बनाकर काम करे तो इस अतिक्रमण की गंभीर समस्या से शहर को निजात दिलाई जा सकती है। ऐसा नहीं है कि, जिला प्रशासन और नगरपालिका पहली बार अतिक्रमण हटाने निकले है। यह नौटंकी तो हर साल होती चली आई है, मगर अब तक अधिकारी इस समस्या का समाधान नहीं ढूंढ पाए है। ऐसा भी नहीं है कि, सिर्फ बस स्टेंड के आसपास ही अतिक्रमणक होता है। शहर के कई हिस्सों में अतिक्रमण ने अपना जाल बिछा रखा है जो स्थाई होकर नगरपालिका और प्रशासन को ठेंगा दिखा रहा है। शहर में अतिक्रमण का सबसे बड़ा जनक व्यापारी वर्ग का वह तबका है जो अपनी दुकानों को सड़क तक ले आता है। जो व्यापारी संघ, जिला प्रशासन के साथ मिलकर अतिक्रमण के मुद्दे पर आजकल नौटंकी कर रहा है उसी के कई सदस्य अतिक्रमण की गंभीर समस्या के जनक बने हुए है। कई जगह ऐसी है जहां तल स्तर पर तो अतिक्रमण नहीं है, मगर मकान या दुकान की पहली मंजिल सिमित दायरे से करीब 3 से 4 फिट तक बाहर हवा में लटकती आसानी से दिखाई दे जाती है। प्रशासन इस तरह के अतिक्रमण को शायद अतिक्रमण नहीं मानता हो। मगर समस्या तो है...।

### मौजूद मगर दिखाई नहीं देते

शहर के वह फूटपाथ जो राजाशाही जमाने से मौजूद है, मगर अब वह दिखाई नहीं पड़ रहे है। शहर का हृदय स्थल कहा जाने वाला राजवाड़ा जो कभी शहरवासियों के लिए गौरवशाली हुआ करता था वह महज ढांचा बन कर रह गया है। राजवाड़ा महल के आसपास का फुटपाथ लगभग गायब हो गया है। यही स्थिति यातायात थाने से लेकर चारभुजानाथ मंदिर तक बने राजाशाही जमाने के फुटपाथ की है। इस फुटपाथ पर भी दुकानों और बैंकों ने कब्जे कर लिए है, अब यह आमजन के लिए नहीं है। इसी के सामने वाली लाइन में राजवाड़ा से गोर्वधननाथ जी की हवेली के सामने तक बने राजशाही फुटपाथ की भी है यहां भी दुकानदारों ने अपनी सीमा से निकल कर फुटपाथ पर कब्जा कर लिया है। यह अब अतिक्रमण के कारण आमजन के उपयोग में नहीं है। इसी तरह शहर के फव्वारा चौक से लेकर गणेश मंदिर तक के फुटपाथ पर भी दुकानदारों ने अतिक्रमण कर कब्जा जमा लिया है, और यह भी अब आमजन के उपयोग लायक नहीं बचा। इस तरह के अतिक्रमण के कारण ही आमजन को मबूरन सड़क पर चलना पड़ता है और परेशानियां उठानी पड़ती है। अगर नगरपालिका और जिला प्रशासन इन राजशाही फूटपाथ को ढूंढकर निकालने या खाली करवाने में कामयाब होता है तो पैदल चलने वालों के लिए आसानी हो सकती है। इतने सालों से लगातार नगरपालिका और जिला प्रशासन जिला मुख्यालय पर अतिक्रमण हटाने का प्रयास कर रहे है लेकिन वह अब तक कामयाब नहीं हो पाए है। माना कि, समय के साथ शहर की जनसंख्या भी बढ़ी है, वाहनों की संख्या भी बढ़ी है, जिससे परेशानी आती है, लेकिन प्रशासन समस्या का सामधान ढूंढने के गरीबों के ठेले ही उठाता फिरता है।

### गूंज सलाह

अगर वाकई में अतिक्रमण हो हटाना है और नगर को साफ-सुथरा और सुगम बनाना है तो कई अहम कदम उठाने की जरूर है। जिससे सबसे पहला यह कि, प्रशासन मैन बाजार के आसपास कोई ऐसा क्षेत्र ढूंढे जहां दो पहियां वाहनों की बड़ी पार्किंग बनाई जा सके। अगर ऐसा होता है तो मैन बाजार की आधी समस्या हल हो जाएगी। दो पहियां वाहनों को मैन बाजार से दूर रखा जाए तो आमजन को काफी सहुलियत होगी। इस तरह की समस्या के समाधान के लिए मैन बाजार के समीप ही पुरानी तहसील का जर्जर भवन है जो अनुपयोगी है। अगर इसे जमीदोज कर के इस जगह पर दो पहियां वाहनों के लिए पार्किंग बना दी जाती है तो काफी हद तक समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

दूसरा यह कि, जिस चाचा नेहरू बाल उद्यान में सब्जी व्यापारियों को बैठाने की व्यवस्था है उसे व्यस्थित कर सभी सब्जी व्यापारियों को उसी में बैठने की व्यवस्था कर दी जाए। चाचा नेहरू बाल उद्यान के बाहर दो पहियां पार्किंग स्थल बनाया जाए। इसके अलावा पुराने गैस गोडाउन परिसर को भी इसके लिए इस्तेमाल किया जा सकता है यह एक बहुत बड़ी जगह है जो वाहन पार्किंग के लिए उपयोग की जा सकती है। शहर के मैन बाजार के आसपास और भी ऐसी जगह प्रशासन अगर चाहे तो ढूंढ सकता है। इसमें एक स्थान पुराना सेल टैक्स ऑफिस परिसर भी है। इस तरह शहर में बढ़ते यातायात के दबाव और जाम से निजात मिलना संभव है। बस प्रशासन को चाहिए कि, वह अतिक्रमण के नाम पर ढकोसला करना और गरीबों के गले नख देना छोड़ कर, अतिक्रमण को लेकर कोई ठोंस कार्य योजना बनाए, क्योंकि नगरपालिका और जिला प्रशासन की अतिक्रमण को लेकर यह खानापुर्ति आमजन के हित में तो नजर नहीं आ रही है।

अगर इस तरह के अतिक्रमण गलत है तो फिर शहर इस तरह के अन गिनत अतिक्रमण है, उन पर भी कार्रवाई होना चाहिए।

अतिक्रमण मुहिम के दौरान नगरपालिका और प्रशासनिक अमले पर लग रहे है भेदभाव के आरोप।

# शराब रूपी पौधे को सिंचती पुलिस और आबकारी

**माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता**

सरकार ने 1 अप्रैल से समस्त आहतें बंद करने का आदेश पारित किये, मगर पुलिस और आबकारी छोटे-छोटे शराब बेचने वालो के केश बनाकर अपना नाम ऊंचा करने में लगी है। मगर शराब ठेकेदार रूपी वृक्ष को सिंचने में लगी हुई है। सरकार की दोहरी नीति आम जनता की समझ से परे है, रायपुरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों में अवैध शराब की दुकानें है। इन सभी दुकानों पर रायपुरिया शराब के ठेकेदार द्वारा चार पहिया वाहन में भरकर अवैध शराब बेचने वालों के घर तक सुबह से ही शराब भेजने का काम किया जाता है। शराब ठेकेदार द्वारा इस तरह घर-घर शराब पहुंचाना सरकार की परमिशन समझे या पुलिस और आबकारी विभाग की मिलीभगत। वैसे तो रायपुरिया पुलिस के द्वारा कुछ आहतो पर अंकुश लगाने में सफल भी रही है, मगर आज भी कई जगह अवैध शराब और जहरीली ताड़ी ग्राहकों को परोसी जा रही है।

पेटलाद तहसील में ताड़ी के इक्का-दुक्का झाड़ है, उक्त जानकारी राजस्व विभाग के द्वारा बताई गई मगर अवैध ताड़ी के कारोबार करने वालों द्वारा हजारों लीटर ताड़ी पेटलावद तहसील के आने वाले गांव में खपाई जा रही है और लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर बिना डर के पिलाई जा रही है।

# आखिरकार निपट ही गई जलसंसाधन विभाग की प्रभारी ईई नीलम मेड़ा

# बालवासा और बड़ी हिड़ी बैराज में अनियमितता के चलते हुआ तबादला

माही की गूंज, झाबुआ।
मुज्जमील मंसुरी

जल संसाधन विभाग द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों में हो रहे भ्रष्टाचार ने जिले में जिस तरह से तूल पकड़ा था। अखबारों के पन्ने जिस तरह से अनियमितताओं को उजागर कर रहे थे। मगर बावजूद इसके दोषियों और भ्रष्ट अधिकारियों पर किसी तरह कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी। जिसके चलते पूरा का पूरा सिस्टम खोखला नजर आ रहा था। अधिकारियों पर कार्रवाई ना होना इस बात का प्रमाण था कि, ऊपर से लेकर नीचे तक पूरा का पूरा बांस पोला है। जलसंसाधन विभाग द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों में इस कदर लापरवाही बरती जा रही थी कि, मामला उजागर होने के बाद विभाग की जिले ही नहीं अपितु पूरे प्रदेश में किरकिरी हो गई। जिसकी भरपाई करने के लिए कुछ तो होना ही था सो, झाबुआ जिले में प्रभारी ईई के पद पर बैठी नीलम मेड़ा पर गाज गिराई गई और उन्हे जिले से रवानगी दे दी गई। यहां यह कतई मतलब नहीं है कि, नीलम मेड़ा कोई दूध की धुली हुई थी।

जिले में जलसंसाधन विभाग अपने भ्रष्टाचार को लेकर काफी समय से चर्चाओं में बना हुआ था। कुछ माह पूर्व जिले के मध्यप्रदेश-गुजरात सीमा से लगे थांदला तहसील के ग्राम बालवासा में अनास नदी पर करीब 7 करोड़ से अधिक की लगात से बन रहे बैराज पर जब सवाल खड़े हुए तो मामला गर्मा गया। तमाम तरह के राजनीतिक दलों ने इसकी शिकायतें अपने-अपने स्तर से भोपाल तक की जांच हुई और यह माना गया कि, किए जा रहे निर्माण कार्य में अनियमितता बरती गई है, बावजूद इसके नतीजा सिफर ही रहा। क्योंकि जैसे ही मामला शांत हुआ विभाग के भ्रष्टों और ठेकेदार को क्लीन चिट दे दी गई। इस पूरे मामले में प्रभारी ईई नीलम मेड़ा काफी सुर्खियों में रही। मेड़ा ने गलत को सही साबित करने के भरसक प्रयास किए। मामले के तूल पकड़ने के बाद भी कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। वो कहते है ना ''जब शेर अपना शिकार करता है तो शिकार के कारण से उसके मुंह में खून जाता है। जिससे वह बार-बार शिकार करना चाहता है। साथ ही उसे भुख लगने पर उसे अपने पहले का शिकार याद आ जाता है और वह फिर अपने शिकार की तलाश में चला जाता है और जब उसे अपना शिकार मिल जाता है तो वह पहले की तरह ही उसे मार कर खा जाता है। यह शेर अपने जीवन में बार-बार करता है।'' बस इसे ही कहते है ''मुंह में खून लगना''।

बालवासा बैराज में बही भ्रष्टाचार की गंगा में डूबकी लगाने के बाद मामला यहीं नहीं रूका। महज कुछ माह बाद ही रामा ब्लॉक के ग्राम हिड़ी बड़ी में बन रहे बैराज पर भी सवाल खड़े हो गए। बालवासा की तर्ज पर यह बैराज भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़कर अखबारों की सुर्खियां बना। डिजाइन स्वीकृत होने के पहले ही बैराज की नींव का काम पूरा कर दिया गया। हालांकि जब मामला उजागर हुआ तो अधिकारियों ने फिर लीपा-पोती वाली बातें शुरू कर दी। मामले ने तूल पकड़ा तो कलेक्टर तन्वी हुड्डा ने जलसंसाधन विभाग के तमाम स्वीकृत और निमार्णाधीन बैराजों का औचक निरीक्षण शुरू कर दिया। लापरवाही को देखते हुए कार्य में सुधार को लेकर कई निर्देश दिए थे। मगर अफसोस की शायद उसके बाद से ही तीर कमान से निकला और जलसंसाधन विभाग की प्रभारी ईई नीलम मेड़ा को तबादले के रूप में जाकर लगा। जलसंसाधन विभाग द्वारा जिले में किए जा रहे बैराज निर्माण कार्यों में लापरवाही और भ्रष्टाचार को लेकर माही की गूंज ने लगातार समाचारों के माध्यम से उजागर किया था। पिछले अंक में रामा ब्लॉक के ग्राम हिड़ी बड़ी में बन रहे बैराज को लेकर भी विस्तृत और तथ्यात्मक खबर प्रकाशित की थी। गौरतलब है कि, जिले में बैराज निर्माण में जलसंसाधन विभाग द्वारा बरती जा रही अनियमितता और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा-कांग्रेस सहित जयस संगठन के कई नेताओं ने इसकी शिकायत प्रदेश स्तर तक की थी। अब जल संसाधन विभाग की प्रभारी ईई रही नीलम मेड़ा को इंदौर अधीक्षण यंत्री कार्यालय स्थानांतरित कर दिया गया है। मेड़ा के तबादले के बाद जलसंसाधन विभाग के एसडीओ विपिन पाटीदार को ईई का प्रभार दिये जाने की संभावना है।

माही की गूंज | झाबुआ | 11 मई 2023 | 8

जिले में जलसंसाधन विभाग की कार्यप्रणाली पर लगातार उठ रहे सवाल...

शिकायतें, जांचें, क्लीन चिट और स्थिति वही ढाक के तीन पात

जनप्रतिनिधियों की सुनवाई नही, लगातार किए जा रहे गुणवत्ताहीन कार्य, भ्रष्टाचार का चारों तरफ बोलबाला

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422